संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 26
पृष्ठ 8
शनिवार
12 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्यों झुक जाती है....

विचार- जम्मू-कश्मीर में उम्मीदा...

खेल- पाकिस्तान की घर....

पीएम मोदी ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति लाने का किया आह्वान, कहा-

यह युग युद्ध का नहीं

वियनतियाने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस दौरे पर हैं। आज उनके दौरे का दूसरा दिन है। वियनतियाने में आसियान–भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही ईस्ट एशिया सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है। भारतीय पीएम ने ईस्ट एशिया सम्मेलन में तूफान टाइफून यागी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। साथ ही दुनिया के अलग–अलग भागों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहे सबसे ज्यादा नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए प्रधानमंत्री ने यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता लाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने 19वें ईस्ट एशिया सम्मेलन को संबोधित कर कहा कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मुक्त, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम आधारित इंडो–पैसिफिक पूरे क्षेत्र के विकास के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति,

सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के हित में है। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत होनी चाहिए। नेविगेशन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई रोक नहीं लगनी चाहिए। हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए न कि विस्तारवाद का।' यह देखते हुए कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे संघर्षों का ग्लोबल साउथ के देशों पर सबसे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, प्रधानमंत्री ने कहा कि हर कोई (चाहे वह यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया) चाहता है कि शांति और स्थिरता जल्द से जल्द बहाल होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार–बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं आ सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी।' उन्होंने कहा कि विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में अपना हर संभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह बयान यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष और पश्चिम एशिया में

● संघर्षो का ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा नकारात्मक प्रभाव : पीएम

● भारत ने हमेशा किया आसियान की एकता और केंद्रीयता का समर्थन

इस्राइल–हमास युद्ध के बीच आया है। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने संबोधन को शुरू करने पर सबसे पहले तूफान से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, मैं टाइफून यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। इस कठिन समय में, हमने ऑपरेशन सद्भाव के माध्यम से मानवीय सहायता प्रदान की है।' उन्होंने आगे कहा, श्भारत ने हमेशा आसियान की एकता और केंद्रीयता का समर्थन किया है। आसियान भारत के इंडो–पैसिफिक विजन और क्वाड सहयोग के केंद्र में भी है। भारत की इंडो–पैसिफिक महासागरों की पहल और इंडो–पैसिफिक पर आसियान आउटलुक के बीच गहरी समानताएं हैं। एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी, समृद्ध और नियम–आधारित इंडो–पैसिफिक पूरे क्षेत्र की शांति और प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। दक्षिण चीन सागर की शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के हित में है। पीएम मोदी ने कहा, हम म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग–थलग नहीं किया जाना चाहिए। पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा।

नारी सम्मान से समाज होता है शक्तिमान: योगी

● सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी–नवमी की दी बधाई

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की पावन महानवमी एवं विजयादशमी की बधाई दी। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्र नारी गरिमा की प्रतिष्ठा का पर्व है और जिस समाज में नारी की पूजा होती है तथा सम्मान दिया जाता है वह समाज स्वयं ही समर्थ और शक्तिमान होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश–दुनिया में रहने वाले सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगत जननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन व अनुष्ठान के कार्यक्रम से श्रद्धा, उल्लास व उमंग से जुड़ते हैं। सनातन धर्म की पर्व और त्योहार से जुड़ी समृद्ध परंपरा सबका ध्यान आकर्षित करती है। आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाली मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है। वह सौभाग्यशाली है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र का पर्व शक्ति की आराधना के साथ आधी आबादी के सम्मान का भी प्रतीक पर्व है। भारतीय मनीषा ने प्राचीनकाल से ही 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवतारू' अर्थात जहां नारी की पूजा की जाती है, उसका सम्मान किया जाता है, वहां दैवीय शक्तियों का वास होता है की मान्यता और इसके भाव को अंगीकार किया है। नवरात्र में जगतजननी भगवती मां दुर्गा के पावन नौ स्वरूपों की आराधना सनातन धर्म की उदात्त और पवित्र परंपरा का महत्वपूर्ण अवसर है। यह आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई प्रेरणा देने का भी माध्यम है। सीएम योगी ने कहा कि आधी आबादी की सुरक्षा के साथ पूरे समाज की सुरक्षा जुड़ी होती है। उन्होंने कहा कि जब हम आधी आबादी को सामर्थ्यवान बनाकर उनकी गरिमा और सम्मान की सुरक्षा करेंगे तो प्रदेश और देश सभी नागरिकों के जीवन मे खुशहाली लाने के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा।

पुणे में नशे में धुत ऑडी ड्राइवर की टक्कर से डिलीवरी बॉय की मौत

पुणे, एजेंसी। शहर में रोड रेज के एक और मामले में, पुणे पुलिस ने शुक्रवार (11 अक्टूबर) को एक फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की मौत की पुष्टि की, जिसे मुंधवा इलाके में रात करीब 2 बजे एक लग्जरी कार ने टक्कर मार दी थी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से भाग गया, लेकिन बाद में उसे हडपसर इलाके में उसके घर से हिरासत में ले लिया गया। शुक्रवार आधी रात को पुणे के एक पॉश इलाके में ऑडी कार की चपेट में आने से फूड डिलीवरी एग्जीक्यूटिव की मौत हो गई। कथित तौर पर नशे में धुत ड्राइवर ने एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी और पीड़ित की मोटरसाइकिल को टक्कर मारने से पहले तीन लोगों को घायल कर दिया। पुणे पुलिस के मुताबिक, यह घटना पुणे के कोरेगांव इलाके में रात करीब 1 बजे हुई।

लड़कियों को नेतृत्व के मिले समान अवसर

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बोले खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। आज पूरे दुनिया भर में बालिका दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि लड़कियों को नेतृत्व करने के समान अवसर मिलें और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। केवल नारे लगाने से वास्तविकता में बदलाव नहीं आ सकता है। खड़गे ने कहा कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रगति हासिल करने के लिए लैंगिक समानता और न्याय आवश्यक है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुव खगड़े ने कहा कि इस साल #DayOfTheGirl का थीम भविष्य के लिए लड़कियों का दृष्टिकोण है, जो लड़कियों की आवाज़ और भविष्य के लिए दृष्टिकोण की शक्ति से प्रेरित तत्काल कार्रवाई और निरंतर आशा दोनों की आवश्यकता को दर्शाता है। मल्लकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लड़कियों को बदलाव की अग्रिम पंक्ति में रखकर, उनकी आवाज़ को बुलंद करके, उनकी ज़रूरतों पर प्रतिक्रिया देकर और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करके नेतृत्व करने का समान अवसर मिलें।

बांसुरी स्वराज का केजरीवाल पर वार, बोलीं-

अर्थव्यवस्था के विध्वंस के लिए आप जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की अर्थव्यवस्था को लेकर अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। बांसुरी स्वराज ने दावा किया कि कल दिल्ली फाइनेंस डिपार्टमेंट की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था के विध्वंस के लिए अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये अचंभे की बात है कि 31 साल में पहली बार दिल्ली का बजट घाटे में है। इसका अर्थ है कि

दिल्ली में खर्च, दिल्ली की आय से ज्यादा हो रहा है। ये घाटा जानबूझकर हुआ है। भाजपा नेत्री ने कहा कि आतिशी जी, केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार को पता था कि दिल्ली के पास पैसे की किल्लत है। इसलिए अचानक उन्होंने एक पन्ने का आर्डर निकाला और 1 हजार से अधिक बस मार्शल को बड़ी क्रूरता और निर्ममता से नौकरी से निकाल दिया, उनकी 6 महीने की सैलरी उन्हें नहीं दी।

कर्नाटक सरकार ने हुबली दंगा मामला लिया वापस, एआईएमआईएम नेता समेत 100+ हुए थे गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता मोहम्मद आरिफ और 138 अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले वापस लेने का फैसला किया है, जिन पर पुलिस पर हमला करने वाली भीड़ का नेतृत्व करने

और पुलिस पर हमला करने की धमकी देने का आरोप था। उन पर अप्रैल 2022 में हुबली दंगों के दौरान हिंसा भड़काने का भी आरोप लगाया गया था। उनके खिलाफ मामलों में हत्या के प्रयास और दंगा जैसे आपराधिक आरोप शामिल थे, जिन्हें अब अभियोजन पक्ष, पुलिस और कानून विभाग की आपत्तियों के बावजूद हटा दिया गया है। अक्टूबर 2023 में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को इन मामलों को वापस लेने और आरोपों पर पुनर्विचार करने के लिए लिखा था। शिवकुमार की सिफारिश के बाद, गृह विभाग को एफआईआर और गवाहों के बयान सहित प्रासंगिक मामले की जानकारी इकट्ठा करने का काम सौंपा गया था। मामले को वापस लेने पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और भाजपा ने कांग्रेस पर मुसलमानों को खुश करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। बीजेपी एमएलसी एन रवि कुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकार तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। यह आतंकवादियों का समर्थन कर रही है और उनके खिलाफ मामले वापस ले रही है। जबकि किसानों और छात्रों पर मामले लंबित हैं, भारत विरोधी तत्वों पर मामले वापस ले लिए जाएंगे।

हैदराबाद में दुर्गा पंडाल में तोड़फोड़, अज्ञात लोगों ने तोड़ा देवी की मूर्ति का हाथ, पुलिस ने शुरू की जांच

अज्ञात व्यक्तियों ने शुक्रवार तड़के नामपल्ली में एक दुर्गा पंडाल में देवी की मूर्ति को आंशिक रूप से खंडित कर दिया। स्थानीय बेगम बाजार पुलिस ने कहा कि मूर्ति के पास रखी पूजा सामग्री को अज्ञात आरोपियों ने तोड़ दिया। इसके अलावा मूर्ति का एक हिस्सा भी टूटा हुआ मिला। मूर्ति नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान के अंदर एक पंडाल में स्थापित की गई थी। पंडाल के आयोजकों ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि यह अज्ञात व्यक्तियों द्वारा जानबूझकर किया गया कृत्य था। हैदराबाद के बेगम बाजार पुलिस स्टेशन की सीमा में नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में एक दुर्गा पूजा पंडाल में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हुंडी (दान पेटी) को एक तरफ ले जाने के कारण देवी दुर्गा की मूर्ति को हुए नुकसान को लेकर लोगों ने नामपल्ली की मुख्य सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया।

शुभकामनाएं

दशहरा पर्व पर **दैनिक** के पाठकों, विज्ञापनदाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश

दशहरा पर्व पर दिनांक-१२ अक्टूबर २०२४ को प्रेस व कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक १४ अक्टूबर २०२४ को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

विजयदशमी के दिन बंगाल का सिन्दूर खेला उत्सव

डॉ. प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। भगवती दुर्गा जगत जननी हैं ,अपरा हैं,प्रकृति हैं, ममत्व की पराकाष्ठा होने के साथ ही मूल रूप से जीव की चेतना में उनकी ऊर्जा संचारित होती है । अश्विन या कार्तिक माह में शारदीय नवरात्र के पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश की स्थापना कर शक्ति अर्थात माँ भगवती दुर्गा के नौ रूपों की उपासना की जाती है जिसका उद्देश्य हमारे अन्दर की पशुता को सूक्ष्म आकार में परिवर्तित कर,विराट देवत्व को स्थापित करना है। दूसरे शब्दों में आत्मीयता की गहरी परतों को खोलकर प्रसुप्त शक्तियों को ऊर्जावान एवं जागृत बनाने की प्रक्रिया की ओर अग्रसर होना है। इस प्रक्रिया में साधक नौ दिन तक व्रत रहकर विधि–विधान से पूजन एवं अनुष्ठान करता है। लेकिन इससे इतर बंगाल में नवरात्र के दौरान बड़े पैमाने पर दुर्गा पूजा होती है लेकिन व्रत–उपवास अनिवार्य नहीं है,साथ ही साथ मांसाहारी भोजन

पर कोई प्रतिबंध नहीं है, इसीलिए इसका भरपूर सेवन किया जाता है। यह प्रवृति किसी वर्ग या जाति तक सीमित नहीं है क्योंकि ब्राह्मण और तथाकथित उच्च जातियाँ मछली तथा मटन के लजीज व्यंजनों के साथ उत्सव मनाने में सबसे आगे रहते हैं। इसके अतिरिक्त बंगाल में नवरात्र की पूजा में माँ दुर्गा की छवि शेष भारत से काफी कुछ अलग है। यहाँ पर पूजा–पंडाल में माँ दुर्गा,राक्षसराज महिषासुर और शेर के अलावा कार्तिक, गणेश, सरस्वती तथा लक्ष्मी की प्रतिमा होती है। यह लोग सरस्वती और लक्ष्मी को माँ दुर्गा की बेटी मानते हैं जबकि देश के अन्य हिस्सों में इस मान्यता का समर्थन नहीं है।

ऐसा कहा जाता है कि बंगाल में आठवीं शताब्दी से ही काली को माँ के रूप में स्थापित किया गया था क्योंकि यहाँ तान्त्रिक परम्परा बहुत मजबूत थी। बंगाल में माँ काली के प्रति वहाँ के लोगों की धारणा है कि माँ सदैव उन लोगों को दण्डित करती हैं जो उनके बच्चों को तंग करते हैं। चूँकि यहाँ पर माँ का स्थान काली ने लिया था इसलिए माँ दुर्गा को बंगाली

हिन्दुओं ने बेटी के रूप में चुना। बंगालियों की धारणा है कि माँ दुर्गा अपने माता–पिता गिरिराज–मेनका से साल में सिर्फ चार दिन मिलने आती थीं। बंगाल ने उस उग्र देवी को एक प्यारी बेटी में बदल दिया,जिसे हर कोई प्यार करता है। जितना संभव हो सके उतनी तरह की मछलियाँ और स्वादिष्ट मिठाइयां अर्पित की जाती हैं।

बंगाल में पूजा के दौरान विजयादशमी के दिन विसर्जन से पूर्व दुर्गा माँ की विदाई होती है।विदाई से पहले शसिंदूर खेला श का उत्सव मनाया जाता है क्योंकि मान्यता है कि माँ दुर्गा नवरात्र के दौरान मायके आती हैं और विजयदशमी के दिन अपने घर भगवान शिव के पास कैलाश पर्वत पर चली जाती हैं।

विजयदशमी के दिन बंगाली समुदाय की सुहागिन महिलाएँ लाल साड़ी पहनकर ,माँ दुर्गा को सिंदूर अर्पित करके पंडाल में मौजूद सभी सुहागिन महिलाओं को सिंदूर लगाती हैं। इस उत्सव को सिंदूर उत्सव या सिंदूर खेला कहते हैं।सिंदूर खेला, जिसका शाब्दिक अर्थ है–सिंदूर का खेल। सिंदूर उत्सव के दौरान माता के गालों से पान के पत्ते को स्पर्श किया जाता है। इसके बाद सिंदूर से उनकी माँग को भरा जाता है तथा माथे पर भी सिंदूर का टीका लगाया जाता है।इसके बाद माँ को फूल,पान,मिष्ठान का लगाया जाता है तथा उनसे आशीर्वाद के रूप में लंबे सुहाग की कामना करती हैं। सिंदूर खेला के साथ ही माँ दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए धनुची नृत्य करती हैं । इसके बाद जिस तरह से बेटियों की विदाई के समय खाने–पीने और अन्य वस्तुएँ भेट की जाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि कैलाश पर्वत पर पहुँचने के रास्ते में माता को खाने–पीने की कोई समस्या नहीं हो। इस प्रथा को बोरन कहा जाता है। विजयदशमी के दिन अनुष्ठान पूजा समापन के बाद विवाहित बंगाली महिलाएँ देवी के माथे और पैरों पर सिंदूर लगाती हैं और उन्हें मिठाई खिलाती हैं फिर एक दूसरे के चेहरे पर सिंदूर लगाकर, माँ को उलू ध्वनि के साथ विदा कर,नम आँखों से माँ के अगले साल आने की प्रतीक्षा करती हैं।

महाकुंभ क्षेत्र में मेला प्राधिकरण के अस्थायी कार्यालय का हुआ भूमि पूजन, भूमि का आवंटन शीघ्र

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में प्रयागराज मेला प्राधिकरण का अस्थायी कार्यालय जल्द ही चालू होगा। यह त्रिवेणी मार्ग पर बांध ा से उतरते ही बनेगा। इससे पहले मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बृहस्पतिवार को भूमि पूजन किया। इसके 20 से 25 दिनों में पूरी तरह से संचालित होने की उम्मीद है। इसके बाद भूमि एवं सुविधाओं के आवंटन से संबंधित पर्चियां भी वहीं से बंटेंगी। साथ ही अन्य गतिविधि ायां भी संचालित होंगी। मेला क्षेत्र में बाढ़ का पानी अब भी भरा है। इसकी वजह से मेला प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। प्रशासन की कोशिश थी कि भूमि एवं सुविधाओं के आवंटन आदि की प्रक्रिया पूरी करने के साथ नवंबर के पहले सप्ताह से मेले की बसावट शुरू कर दी जाए। इसके तहत 10 अक्तूबर से नई संस्थाओं के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाने की योजना बनाई गई थी। इसी के साथ पुरानी संस्थाओं से भी सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए आवेदन लिए जाने की तैयारी थी, लेकिन मेला क्षेत्र में गंगा नदी का जल स्तर स्थिर है। इसकी वजह से मेला क्षेत्र में सभी काम ठप हैं। साथ ही बसावट शुरू नहीं हो पाई है। इसी के साथ भूमि एवं सुविधाओं के आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पा रही। मेलाधि ाकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि भूमि एवं सुविधाओं के आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। बाढ़ का पानी निकलते ही मैनपॉवर एवं संसाधन बढ़ाकर काम शुरू कर दिए जाएंगे। इस बार नई संस्थाओं का पंजीकरण, पुरानी संस्थाओं की सुविधाओं में बढ़ोतरी से संबंधित आवेदन ऑनलाइन लिए जाएंगे। भूमि एवं सुविध ाओं के आवंटन की पूरी प्रक्रिया भी ऑनलाइन कर दी गई है, लेकिन इससे संबंधित पर्चियां मेला प्राधिकरण के अस्थायी कार्यालय से वितरित की जाएंगी। शास्त्री ब्रिज से संगम नोज के बीच सिर्फ मुख्य धारा निकलेगी। छोटी–छोटी धाराओं को मिलाकर मुख्य धारा निकाली जाएगी। इसके लिए ड्रेजिंग का काम 16 अक्तूबर से शुरू करने की तैयारी है। गंगा और यमुना का संगम स्थल दाहिने किनारे की तरफ करीब 200 से 500 मीटर तक शिफ्ट हो गया है। इसके अलावा कटान की समस्या भी बढ़ गई है। इसकी वजह से कुंभ–2019 की तुलना में महाकुंभ–2025 में सर्कुलेटिंग एरिया में 60 फीसदी तक की कमी हो गई है, जबकि इस बार स्नानार्थियों की संख्या दोगुना होने की उम्मीद है। इसे देखते हुए अब संगम नोज का सर्कुलेटिंग एरिया बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत गंगा नदी के सभी छोटी–बड़ी धाराओं को मिलाकर एक मुख्य ध ारा की योजना बनाई गई है। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार सिंह ने बताया कि इसके लिए शास्त्री ब्रिज से संगम नोज तक ड्रेजिंग कराई जाएगी। संगम नोज तथा आसपास गंगा में कटान रोकने के लिए खास तरह के जियो बैग का इस्तेमाल किया जाएगा। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि अभी कई तरह की स्वीकृतियां शेष हैं। इसकी प्रक्रिया पूरी करने तथा मशीनें मंगाने के बाद 16 अक्तूबर से ड्रेजिंग शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि गंगा का मुख्य चौनल बनाने में 50 से 60 दिन लगेंगे।

बीबीए-एमबीए के छात्र पढ़ेंगे टाटा की सफलता की कहानी, इविवि के पाठ्यक्रम में कई औद्योगिक घराने शामिल

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के मोतीलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (मोनिरबा) में संचालित पांच वर्षीय इंटीग्रटेड पाठ्यक्रम बीबीए–एमबीए के छात्र रतन टाटा की सफलता की कहानी भी पढ़ेंगे। पिछले सत्र 2023–24 से शुरू हुए इस पाठ्यक्रम में जेआरडी टाटा, धीरूभाई अंबानी, अजीम प्रेमजी, नारायण मूर्ति समेत देश के कई प्रमुख उद्योगपति शामिल हैं। अब इनमें एक नाम रतन टाटा का भी शामिल होगा। हालांकि, मौजूदा पाठ्यक्रम में भी जब औद्योगिक घरानों का जिक्र आता है तो विद्यार्थियों को रतन टाटा जैसे बिजनेस लीडर का उदाहरण दिया जाता है और खासतौर पर एथिकल बिजनेस में, जिसमें उन्होंने अलग मुकाम हासिल किया। पांच वर्षीय बीबीए–एमबीए पाठ्यक्रम की समन्वयक डॉ.शेफाली आनंद बताती हैं कि कुलपति प्रो.संगीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नई शिक्षा नीति के तहत यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। सत्र 2023–24 से पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। इसमें 40 सीटें निर्धारित की गई हैं। मौजूदा सत्र 2024–25 के तहत दूसरे बैच के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। डॉ.शेफाली के अनुसार पाठ्यक्रम में एक पेपर ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर का होता है। इसमें लीडरशिप के बारे में पढ़ाया जाता है। जब बिजनेस लीडर के बारे में पढ़ाते हैं तो रतन टाटा का नाम भी आता है। छात्र–छात्राओं को रतन टाटा जैसे उद्योगपतियों का उदाहरण देते हुए बताया जाता है कि बिजनेस लीडर बनने के लिए क्या गुण होने चाहिए। डॉ.शेफाली ने बताया कि आगे चलकर पाठ्यक्रम में रतन टाटा के एथिकल बिजनेस से जुड़े सिद्धांतों को भी शामिल किया जाएगा, जिसने समाज को एक नई दिशा दी और बताया कि बिजनेस समाजसेवा का भी सशक्त माध्यम हो सकता है। डॉ.शेफाली इविवि के इंक्यूबेशन सेंटर की भी समन्वयक हैं। उनका कहना है कि सेंटर में होने वाली कार्यशालाओं और कार्यक्रमों में भी रतन टाटा जैसे उद्योगपतियों का उदाहरण देते हुए छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

देवी का भव्य शृंगार, दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी कतार, गूंजे जयकारे

प्रयागराज। शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर बृहस्पतिवार को घरों, शक्तिपीठों, सिद्धपीठों में देवी के महागौरी स्वरूप का फूलों और आभूषणों से शृंगार किया गया। मंगला आरती के बाद जयकारों के बीच दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। आधी रात को शयन आरती के बाद भोग प्रसाद वितरित किया गया। सिद्धपीठ कल्याणी देवी मंदिर में मंगला आरती से आरंभ दर्शन का क्रम देर रात तक चला। पुजारी सुशील कुमार पाठक की देखरेख में चांदी और जड़ाऊ आभूषणों तथा बहुरंगी फूलों से देवी का शृंगार किया गया। सिद्धपीठ अलोपीदेवी मंदिर में देवी को निशान चढ़ाने के लिए और बच्चों का मुंडन, कर्णछेदन संस्कार कराने के लिए दूर–दूर से श्रद्धालु आए। चौक गंगादास स्थित खेमा माई मंदिर में लाल रंग के फूलों से देवी का शृंगार किया गया। इसी क्रम में समया माई, कालीबाड़ी, कटरा कालीथान, शास्त्रीनगर–सदियापुर तिराहे पर स्थित देवी मंदिर में भी नारियल व चुनरी चढ़ाने सहित महिलाओं ने भजन कीर्तन किया।

कैलेंडर में शामिल परीक्षाएं टलीं तो नई भर्तियां भी फंसेंगी, कई नई भर्ती के मिल चुके हैं अधियाचन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के कैलेंडर में शामिल पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 और आरओ एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 समय से कराई जा सकेगी या नहीं, इस पर असमंजस बना हुआ है। अगर ये परीक्षाएं टलती हैं तो नई भर्तियों का फंसना भी तय है। आयोग के पास आधा दर्जन नई भर्तियों के अधियाचन पड़े हैं। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 आयोग के कैलेंडर में 27 अक्तूबर 2024 को प्रस्तावित है। पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र उपलब्ध न होने पाने और परीक्षा संबंधी नए अध ादेश को मंजूरी मिलने के इंतजार में इस परीक्षा के टलने के आसार हैं। वहीं, आयोग के कैलेंडर में 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) परीक्षा–2023 भी तय पर हो सकेगी या नहीं, इस पर उहापोह की स्थिति है। आरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा योजना में संशोधन के बाद यह परीक्षा भी अब एक दिन में नहीं कराई जा सकेगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अगर प्रदेश के सभी जिलों में केंद्र बनाता है तो भी परीक्षार्थियों की संख्या के हिसाब से परीक्षा कराने में दो दिन लगेंगे। इन परिस्थितियों में अगर आयोग को प्रमुख परीक्षाएं टालनी पड़ती हैं तो इसका प्रभाव उन भर्तियों पर भी पड़ेगा, जिनके अधियाचन आयोग को मिल चुके हैं।

आयोग को एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए छह हजार से अधिक पदों, राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए साढ़े तीन सौ पदों और राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता भर्ती के लिए तकरीबन एक हजार पदों के अधियाचन काफी पहले मिल चुके हैं। इसके साथ ही सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा, खंड शिक्षा अधिकारी परीक्षा एवं अन्य भर्ती परीक्षाओं के लिए भी आयोग को रिक्त पदों के अधियाचन मिल चुके हैं।

11 फरवरी 2024 को हुई आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 में अगर पेपर लीक का विवाद सामने न आता तो आयोग के कैलेंडर में शामिल बाकी परीक्षाओं का आयोजन भी समय से हो जाता। ऐसे में नई भर्तियां शुरू करने का रास्ता साफ हो जाता। आयोग के सूत्रों का कहना है कि पुरानी भर्तियां पूरी होने के बाद ही नई भर्तियां शुरू किए जाने की तैयारी है।

महाकुंभ पर पहले-तीसरे चरण में 3050 व दूसरे में 7000 बसों का होगा संचालन, रूट निर्धारित

प्रयागराज। यूपी रोडवेज ने महाकुंभ मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। स्नान पर्व को देखते हुए उसे तीन चरणों में बांटा है। पहला चरण 12 जनवरी से 23 तक, दूसरा 24 जनवरी से सात फरवरी व तीसरा आठ से 27 फरवरी तक रहेगा। इसी के हिसाब से बसों का संचालन होगा। इस दौरान 165 मार्गों पर यूपी रोडवेज बसों का संचालन करेगा। पहले व तीसरे चरण में 3050 तो दूसरे में 7000 बसों का संचालन होगा। यूपी रोडवेज के प्रयागराज रीजन ने महाकुंभ को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी शासन को अवगत करा दी है। खास बात यह है कि महाकुंभ

में प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या समेत प्रदेश के कुल 19 रीजन की बसों को लगाया जाएगा। पहले चरण में पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, दूसरे में मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी व तीसरे में माघी पूर्णिमा–महाशिवरात्रि का स्नान पर्व है। पहले–तीसरे चरण में प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, आजमगढ़, चित्रकूट, अयोध्या, देवीपाटन एवं झांसी रीजन की 3050 बसों का संचालन प्रमुख स्नान पर्व पर होगा। इसमें सर्वाधिक 450 बसें कानपुर रीजन की रहेंगी। इसके बाद लखनऊ की 400 एवं प्रयागराज रीजन की 390 बसें शामिल रहेंगी। मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी का स्नान पर्व दूसरे चरण में है। इस दौरान 7000 बसें चलाई जाएंगी। इस चरण में प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, गोरखपुर, कानपुर, चित्रकूट, आजमगढ़, इटावा, मुरादाबाद, आगरा, बरेली, अयोध ्या, अलीगढ़, देवीपाटन, मेरठ, हरदोई, गाजियाबाद, झांसी एवं सहारनपुर रीजन की बसें संचालित होंगी। दूसरे चरण में सर्वाधिक 600 बसें गाजियाबाद रीजन की रहेंगी। इस दौरान इन बसों का संचालन प्रयागराज के कटका झूंसी, सरस्वती द्वार, बेला कछार, बेली कछार, नेहरू पार्क, लेप्रोसी एवं सरस्वती हाईटेक सिटी से होगा।

मजिस्ट्रेट तथ्य की जानकारी होने के आधार पर एफआईआर से इन्कार नहीं कर सकते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मजिस्ट्रेट तथ्यों की जानकारी होने के आधार पर एफआईआर दर्ज करने से इन्कार नहीं कर सकते हैं। यह टिप्पणी कर कोर्ट ने चंदौली के मजिस्ट्रेट का आदेश रद्द कर कहा कि एक महीने में कानून के अनुसार नया आदेश पारित करें। मजिस्ट्रेट ने आवेदन को शिकायत के रूप में दर्ज करते हुए कहा था कि तथ्य आवेदक की जानकारी में है। इसलिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की जरूरत नहीं। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की अदालत ने मुकेश खरवार की अर्जी पर दिया है। चंदौली पपौरा विकास खंड चहनिया से बीडीसी सदस्य मुकेश खरवार ने 156(3) के तहत आवेदन दायर किया था। आरोप लगाया था कि चार फरवरी 2024 को 66 क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ अरुण जायसवाल ब्लॉक प्रमुख चहनिया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए डीएम कार्यालय पर एकत्र हुए थे। इससे नाराज होकर ग्रामीण गोपाल सिंह उर्फ बबलू,मोनू सिंह उसके गांव पहुंचे। वहां ब्लॉक प्रमुख के पक्ष में शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया। इन्कार करने पर गालीगलौज, जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए मारपीट की। इस संबंध में पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की तो 156(3) के तहत आवेदन दायर किया। संबंधित मजिस्ट्रेट ने आवेदन को कंप्लेन की तरह दर्ज किया। साथ ही एफआईआर दर्ज करने का निर्देश जारी करने की प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया। आवेदक ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने कहा कि अपराध की गंभीरता, अभियोजन शुरू करने के लिए साक्ष्य की आवश्यकता और न्याय के हित में 156(3) के तहत आदेश पारित करते समय विचार किया जाना चाहिए। कोर्ट ने आवेदन स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया।

प्रयागराज होकर चलेगी स्पेशल वंदे भारत और तेजस एक्सप्रेस, रेलवे प्रशासन ने किय एलान

प्रयागराज। फेस्टिवल सीजन में यात्रियों की लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने नई दिल्ली से पटना के बीच स्पेशल वंदे भारत और स्पेशल तेजस एक्सप्रेस चलाने का एलान किया है। दोनों ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन पर भी रुकेंगी। रेलवे प्रशासन ने समय सारिणी जारी कर दी है। नई दिल्ली से पटना के लिए 02252 स्पेशल वंदे भारत 30 अक्तूबर, एक, तीन और छह नवंबर की सुबह 8:25 बजे चलेगी। कानपुर रुकते हुए ट्रेन दोपहर 3रू05–3रू10 बजे प्रयागराज जंक्शन एवं रात आठ बजे पटना पहुंचेगी। पटना से गाड़ी संख्या 02251 का संचालन 31 अक्तूबर, दो, चार और सात नवंबर की सुबह 7रू30 बजे होगा। ट्रेन दोपहर 12:10–12:15 बजे प्रयागराज एवं शाम सात बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसके अलावा नई दिल्ली से पटना के लिए 02248 तेजस सुपरफास्ट 29, 31 अक्तूबर, दो, पांच नवंबर की सुबह 8रू25 बजे चलकर दोपहर 3:20–3:25 बजे प्रयागराज और रात 8रू30 बजे पटना पहुंचेगी। वहीं 02247 पटना से 30 अक्तूबर, एक, तीन, छह नवंबर की सुबह 7रू30 बजे चलकर दोपहर 12रू30–12रू35 बजे प्रयागराज एवं शाम 7रू35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसके साथ ही दिल्ली–पटना, नई दिल्ली–जयनगर, दिल्ली–हावड़ा, नई दिल्ली–बरौनी के लिए भी स्पेशल ट्रेन चलेगी।

परीक्षा पास कर चयन के लिए भटक रहे 43,610 अभ्यर्थी, दो साल पहले जारी हुआ था रिजल्ट

प्रयागराज। जूनियर एडेड विद्यालयों में शिक्षक भर्ती की परीक्षा उत्तीर्ण कर 43,610 अभ्यर्थी दो वर्ष से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। वह शिक्षा निदेशक से लेकर लखनऊ तक के चक्कर लगा रहे हैं और कई बार प्रदर्शन भी कर चुके हैं। परीक्षा नियामक प्राधि ाकारी (पीएनपी) ने 2021 में जूनियर एडेड विद्यालयों में शिक्षक और प्रधानाचार्य के 1894 पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकाला था।

इसके लिए प्रदेश से लाखों आवेदन आए थे। इसकी परीक्षा 17 अक्तूबर–2021 को कराई गई। 150 अंकों की परीक्षा में 90 से अधि ाक अंक पाने वालों को सफल घोषित किया गया। इसका परिणाम 15 नवंबर–2021 को घोषित कर दिया। परिणाम आया तो कुछ अभ्यर्थियों ने उसको हाईकोर्ट में चुनौती दी। उनका आरोप था कि परिणाम में गड़बड़ी हुई है। हाईकोर्ट के आदेश पर परिणाम संशोधि ात किया गया। पीएनपी ने संशोधित परिणाम छह सितंबर–2022 को जारी कर दिया। इसके खिलाफ भी कुछ अभ्यर्थी हाईकोर्ट गए। हाईकोर्ट ने 15 फरवरी 2024 को सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। आदेश दिया कि संशोधित परिणाम के आधार पर चयन हो। हाईकोर्ट के आदेश के बाद चयन प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी। नियमानुसार रिक्त 1894 पदों के सापेक्ष काउंसलिंग होगी। सफल अभ्यर्थियों की मेरिट बनेगी और रिक्त पदों के अनुसार चयन होगा। यह मामला बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल के पास लंबित है। पिछले दिनों कई अभ्यर्थी लखनऊ में निदेशक से मिले लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इससे सफल अभ्यर्थियों में आक्रोश है। अभ्यर्थी ज्ञानवेंद्र सिंह ने बताया कि चयन प्रक्रिया न होने से उनका भविष्य अधर में अटका है। वह इसके लिए निदेशालय में आंदोलन करेंगे।

प्रयागराज में सपा छात्रसभा ने फूंका CM का पुतला: छात्रसंघ भवन के बाहर नारेबाजी, जेपी कन्वेंशन में अखिलेश को रोकने पर आक्रोश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र संघ भवन के बाहर शुक्रवार को समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रतीकात्मक पुतला जलाया कार्यकर्ता सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जेपी कन्वेंशन

सेंटर जाने से रोकने पर आक्रोशित हैं। इसके खिलाफ कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला फूंका। पुतला जलने लगा तो पुलिसकर्मी रोकने का प्रयास करने लगे लेकिन तब तक आधा पुतला जल चुका था। कार्यकर्ता और पुलिस जवानों के बीच हल्की झड़प भी हुई। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय यादव सम्राट के अगुवाई में सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। उन्होंने कहा की योगी सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। हम लोग लगातार इसका विरोध करते रहेंगे। अजय सम्राट ने कहा की वर्तमान में देश और प्रदेश की ऐसी हालत बस से बत्तर हो चुकी है कि संपूर्ण क्रांति के नायक जयप्रकाश नारायण जी के पद चिन्हों पर चलकर पूरे देश में क्रांति का आगाज काम किया जाएगा इस मौके पर समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव अखिलेश गुप्ता गुड्डू, इकाई अध्यक्ष गौरव गोंड, इकाई महासचिव आशुतोष मौर्या, हरेंद्र यादव, सत्येंद्र गंगवार, नवनीत यादव शिवबली,प्रियांशु विद्रोही, अनूप, विकाश, राहुल प्रियांशु यादव, सुधीर क्रन्तिकारी, आर्यन अजीत, अंगद निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज में दुकानदार के 2 लाख लेकर भागा नौकर: ग्राहकों से भी वसूली कीय कारोबारी ने कराया केस, पड़ोसी पर भी शक जताया

प्रयागराज। प्रयागराज में एक कारोबारी को नौकर ने 2 लाख का चूना लगा दिया। कारोबारी से शादी करने के नाम पर दो लाख रुपए उधार लिए। उसे लौटाने के बजाय ग्राहकों से रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराके ठगी की। कारोबारी ने नौकर और उसके साथी पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। जार्जटाउन थाना क्षेत्र के अल्लापुर किदवई नगर के रहने वाले नीलम पाल की मटियारा रोड अल्लापुर में नेचुरल डेयरी के नाम से खाद्य पदार्थों की दुकान है। दुकान पर लवकुश पाल व अतीक अहमद उर्फ प्रदीप प्रतिमाह वेतन पर कर्मचारी रहे हैं। आरोप है कि लवकुश पाल ने अपनी शादी में दो लाख रुपए उधार लिए। कहा कि प्रतिमाह पांच हजार रुपए देता रहेगा। इसके बाद वह मुकर गया और रुपए नहीं लौटाए। कारोबारी का कहना है कि 14 सितंबर को लवकुश पाल व अतीक अहमद दुकान से 65 हजार रुपए चोरी करके ले गया। इसके अलावा 14 हजार 300 रुपए ग्राहकों से ऑनलाइन ट्रांसफार्मर कराकर बिना बताए गायब हो गए। दोनों के मोबाइल नंबर भी बंद हैं। नीलम ने शक जताया है ।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 02250/02249 दिल्ली जं. - पटना जं. - दिल्ली जं. आरक्षित सुपरफास्ट त्योहार एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

02250 दिल्ली जं. - पटना जं. | 02249 पटना जं. - दिल्ली जं.

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	23:55	दिल्ली जं.	11:00	--
07:15	07:25	गोविन्दपुरी	03:45	03:50
10:05	10:10	प्रयागराज जं.	00:30	00:35
16:40	--	पटना जं.	--	17:50

• दिल्ली जं. से गाड़ी संख्या 02250, दिनांकः 24, 31 अक्टूबर 2024 • पटना जं. से गाड़ी संख्या 02249, दिनांकः 25 अक्टूबर 2024 एवं, 01 नवम्बर 2024

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02, इकॉनमी कोच- 04, स्लीपर श्रेणी- 06, सामान्य श्रेणी- 04

गाड़ी संख्या 04052/04051 नई दिल्ली - जयनगर - नई दिल्ली आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04052 नई दिल्ली - जयनगर | 04051 जयनगर - नई दिल्ली

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	14:20	नई दिल्ली	18:50	--
21:15	21:25	गोविन्दपुरी	11:30	11:40
00:15	00:20	प्रयागराज जं.	08:25	08:30
15:40	--	जयनगर	--	18:00

• नई दिल्ली से गाड़ी संख्या 04052, दिनांकः 26, 29 अक्टूबर 2024 एवं 01,04 नवम्बर 2024 • जयनगर से गाड़ी संख्या 04051, दिनांकः 27,30 अक्टूबर 2024 एवं 02, 05 नवम्बर 2024

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी- 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी- 02, सामान्य श्रेणी-03

गाड़ी संख्या 04054/04053 नई दिल्ली - बरौनी जं. - नई दिल्ली आरक्षित त्योहार विशेष रेलगाड़ी

04054 नई दिल्ली - बरौनी जं. | 04053 बरौनी जं. - नई दिल्ली

आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
--	14:20	नई दिल्ली	09:10	--
21:15	21:25	गोविन्दपुरी	02:00	02:10
00:15	00:20	प्रयागराज जं.	23:00	23:05
11:00	--	बरौनी जं.	--	12:30

• नई दिल्ली से गाड़ी संख्या 04054, दिनांकः 27, 30 अक्टूबर 2024 एवं 02,05 नवम्बर 2024 • बरौनी जं. से गाड़ी संख्या 04053, दिनांकः 28,31 अक्टूबर 2024 एवं 03, 06 नवम्बर 2024

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 10, स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी- 01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR 1788/24(MG)

लोक-संस्कृति, परम्परा, साधना, आराधना, भक्ति और शक्ति के संगम हैं लोकपर्व : अशोक

आस्था की सर्जना को जीवन्त रखना जरूरीः हमारी आस्था ,विचार, संस्कार एवं अतीत की पौराणिक मान्यताओं से सृजित हमारे लोकपर्व हमारे समग्र को साधना,

आराधना,भक्ति,आशक्ति से जोड़ते हुए

लोक परम्परा और लोक–संस्कृति के संगम

की तरह हैं। मानवीय मूल्यों का जागरण करते हुए यही लोकपर्व हमें अपनी विरासत,

स्वाभिमान के प्रति ओज,ऊर्जा,उल्लास के राग–रंग से भरपूर करते रहे हैं। यह बातें आकाशवाणी और दूरदर्शन के वरिष्ठ कार्यक्रम संचालक,चर्चित हास्य कवि एवं लेखक अशोक सिंह बेशरम ने महेवा गांव में दुर्गा पूजा समापन समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि अत्याचार,अनाचार, दुराचार का शमन करते मां दुर्गा के नौ स्वरूप की आराधना का महापर्व, नवरात्रि जहां एक ओर सम्पूर्ण विश्व को नारीशक्ति सम्मान और सदाचार की सीख देता है वहीं हठ,अभिमान,

असत्य के अस्तित्व का विनाश कर सत्य की विजय का प्रतीक लोकपर्व विजय दशमी हमारे समाज में भगवान श्री राम के मर्यादामय,आदर्श लोकजीवन से प्रेरित करते हुए

हमें मानवता,प्रेम,सद्भाव सामाजिक

समरसता,सम्मान,आदर,भाव,प्रभाव,

सद्विचार,आदर्श व्यवहार का अलख

जगाती है। जप, तप, योग,व्रत पूजा,पाठ, चिंतन मनन,भजन,संकीर्तन,प्रवचन,संगीत,

झांकी,मंचन जैसी अनेकों स्थितियों द्वारा मानव मन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रुपभाव से अपने लोकपर्वों को जीने की ललक बनी रहती है। हमारे दैहिक,दैविक,भौतिक जीवन की विविध मान्यताएं अपने देवी,देवताओं की आराधना से हमारे बीच आत्मबोध,सुख,

सम्बृद्धि एवं यशलाभ का पथ प्रशस्त करती हैं। हालांकि हमारे प्राक्तन इतिहास में ऐसे पर्वों को मानने, मनाने और जीने के प्रति कई तरह की आस्तिक,नास्तिक विचारधाराएं भी रहीं।चरित्र चिंतन,सोच के अनुरूप कई वृत्तियों से जुड़े सामाजिक ढांचे में अपनी अवधारणाओं के अनुरूप त्योहार मनाने की विभिन्न परम्पराएं भी प्रचलित हुई। ऐसे में हमारा भक्तिप्रवण समाज सदैव ऐसे सर्वमान्य लोक पर्वों से अनवरत जुड़ा रहा।युगबोध के अनुरूप पर्वों की यह विरासत ही हमारी थाती है, यही हमारी पूंजी है। हमारी संस्कृति और सभ्यसमाज की पहचान है।

आज की बदलते दौर में गांव–गांव नगर नगर बूढ़े बच्चे जवान सभी में अपने ऐसे लोक पर्वों को जीने की ललक धीरे–धीरे और बढ़ रही है।शरदघ्तु के आगमन के साथ साथ गणेश पूजन महोत्सव,दुर्गा पूजन महोत्सव ,रामलीला महोत्सव जैसे आयोजनों की यह पावन लोक परंपरा और लोकदर्शन अनवरत जीवंत रहना बहुत जरूरी है।

जय प्रकाश नारायण की जयंती पर सीएम योगी ने किया नमन

लखनऊ, एजेंसी। जय प्रकाश नारायण, जिन्हें पूरे देश में लोकनायक कहा जाता है, आज यानी 11 अक्टूबर को उनकी जयंती है। वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और बाद की राजनीति के एक ऐसे नायक थे, जिन्होंने समाज और सत्ता के खिलाफ आवाज उठाने की मिसाल पेश की। उनकी जयंती पर आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी जय प्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें नमन किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकतंत्र के परम उपासक भारत रत्न, लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर उन्हें नमन! आपातकाल के दौरान राष्ट्र की जनतांत्रिक चेतना को जागृत कर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना में अविस्मरणीय योगदान दिया था। वे सच्चे अर्थों में लोकनायक थे। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, सच्ची राजनीति, मानवीय प्रसन्नता को बढ़ावा देने में है। स्वतंत्र भारत की राजनीति और चिंतन धारा पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले प्रगतिशील विचारधारा के प्रतिपादक, कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ संपूर्ण क्रांति का नारा बुलंद करने वाले, भारतीय राजनीति के युगपुरुष भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन। जय प्रकाश नारायण का जीवन समाज सेवा, राष्ट्रहित, और सामूहिक कल्याण के प्रति समर्पित रहा।

रोजवेज कर्मचारी संघ मनाएगा आय बढ़ाओं पखवारा

प्रत्येक क्षेत्रीय प्रबंधक के माध्यम से मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को सौपेंगा ज्ञापन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश रोजवेज कर्मचारी संघ ने उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा परिवहन निगम के मजदूरों को संरक्षित करने हेतु प्रथम बार बजट में वित्तीय प्राविधान करने तथा 25 करोड़ प्रदेश की जनता को सुलभ, सस्ती, सुरक्षित व संरक्षित सुविधा उपलब्ध कराने हेतु 1000 करोड़ रूपये का प्राविधान करने के लिए श्रद्वेय मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री का धन्यवाद व आभार प्रदर्शित करने के लिए प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी एवं क्षेत्रीय प्रबंधकों के माध्यम से ज्ञापन देने का निर्णय लिया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि रोड़वेज कर्मचारी संघ परिवहन निगम की आय बढ़ाने के लिए एक सप्ताह तक आय बढ़ाओ पखवारा भी मनायेगा। इसमें संघ के प्रत्यके सदस्य की शतप्रतिशत भागीदारी सुनिश्चत होगी। उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि गत 21 अक्टूबर 2024 को प्रदेश के सभी जनपदों में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निगम हित व कर्मचारी हित में लिये गये निर्णयों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री जी आपको धन्यवाद प्रस्ताव व आभार प्रकट करने का निर्णय लिया गया है।

हास्य कवि के साथ साथ रंगमंच के अनूठे कलाकार हैं बेशरम

कई वर्षों से रामलीला रंगमंच पर बिखेर रहे हास्य अभिनय का जलवा

अपनी बहुमुखी प्रतिभा को लेकर इन दिनों प्रयागराज के चर्चित हास्य कवि लोकनाट्य रामलीला रंगमंच पर अपने हास्य अभिनय का जलवा बिखेर रहे हैं। धनुष यज्ञ रामलीला के दौरान उनकी पेटू राजा की भूमिका दर्शकों द्वारा खूब सराही जा रही है। प्रयागराज की करछना तहसील के महेवा निवासी कवि अशोक श्बेशरमश बीते लगभग 25वर्षो में उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के दो दर्जन से अधिक मशहूर रंगमंचों पर अपने हास्य अभिनय की कला का प्रदर्शन कर सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालन,कम्पियरिंग के साथ इस क्षेत्र में अपना सफर शुरू करने वाले कवि ने बताया कि बचपन से ही रंगमंच से जुड़े हैं। लोगों द्वारा पेटू राजा के अभिनय हेतु आमंत्रित किया जाता है। क्षेत्र के कई गांवों में पारम्परिक ढंग से होने वाले मंचन में मनोरंजकता का रोमांस दर्शकों को खूब भाता है ऐसे में मंच की मर्यादा के अनुरूप श्रोताओं को हंसाने, गुदगुदाने के दौरान ओछेपन का खयाल रखना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि पेटू राजा का धनुष यज्ञ रामलीला में एक विशेष आनन्दानुभूति कराने वाला अभिनय मुख्य आकर्षण होता है। इस दौरान साज–सज्जा,रंगरुप, चाल–ढाल, बोली भाषा,करतब और कला के प्रदर्शन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करना पड़ता है। कवि के साथ साथ रंगमंच के सधे हास्य कलाकार के अलावा गायन,वादन,लेखान, संचालन,नाट्य निर्देशन,कार्यक्रम संयोजन जैसे विविध आयामों से जुड़े कवि अशोक श्बेशरमश ने बहुमुखी प्रतिभा का श्रेय मां सरस्वती की असीम कृपा और प्रसंशको के स्नेह,आशीष को देते हुए नये कलाकारों को अपने अग्रजों से तालीम लेने,सीखने,समझने और साधना करने पर बल देते हुए इस कला को जीवन्त बनाये रखने का आवाहन किया।

'दुर्गा पूजा पुरस्कार वितरण कमाल की मूर्ति-1 और कमाल का पंडाल-2 शीर्षकों पर आधारित होगा'

'दुर्गा–पूजा पुरस्कार वितरण 20 अक्टूबर को भारत सेवा आश्रम के परिसर में होगा'

प्रयागराज सइस वर्ष बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन ने दुर्गा पूजा पुरस्कार वितरण को उच्च और मध्यम बजट में विभाजित किया है, ताकि मध्यम बजट की पूजा को बढ़ावा दिया जा सके।

एक ओर उच्च बजट की पूजा के लिए सात पुरस्कार आवंटित किए गए हैं, वहीं दूसरी ओर मध्यम बजट के पूजा आयोजकों के लिए विभिन्न श्रेणियों के लिए 15 पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ पारंपरिक पूजा भी शामिल है। इस वर्ष संगठन ने

उच्च और मध्यम बजट के पूजा आयोजकों के लिए सर्वश्रेष्ठ थीम आधारित पूजा के लिए दो पुरस्कार अलग से आवंटित किए हैं। यह जानकारी संगठन के सचिव डॉ पी के रॉय ने प्रेस को दी।

संगठन के संयुक्त सचिव अशित रॉय ने बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह 20 अक्टूबर को भारत सेवाश्रम संघ के परिसर में बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन और इलाहाबाद दुर्गा पूजा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा।इलाहाबाद दुर्गा पूजा समिति के मंडल सचिव उत्तम कुमार बनर्जी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्था द्वारा पूजा से जुड़े बुजुर्ग एवं युवा पीढ़ी को सम्मानित किया जाएगा। बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन के वरिष्ठ जूरी मेंबर एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि सम्मानित होने वाले लोगों की सूची और पुरस्कार पाने वाले पंडालों की सूची शीघ्र ही प्रकाशित की जाएगी।

बेसिक शिक्षा अधिकारी पानी राखिए, बिन पानी शौचालय सून!

मुख्यमंत्री योगी की नजरें इनायत का इंतजार कर रहा भ्रष्टाचार का शिकार हुआ शांति नगर प्राथमिक विद्यालय

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहे जितनी भी कोशिश कर लें लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी विभाग, अधिकारी और बाबू भ्रष्टाचार का एक भी मौका नहीं चूकते हैं। ताजा मामला राजधानी में स्वयं मुख्यमंत्री की नाक के नीचे का है जहां बेसिक शिक्षा विभाग खुद ही नहीं चाहता कि सरकारी प्राथमिक विद्यालय में बच्चे आएं। सन् 2008 से सन् 2012 तक शिक्षा भवन लखनऊ में सतीश द्विवेदी नामक एक सरकारी नौकर प्राथमिक विद्यालय निर्माण करवाने के लिए काफी कुख्यात रहा था। सतीश द्विवेदी ने नगर क्षेत्र में तमाम प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण करवाया जिसका खामियाजा आज गरीब जनता और छात्र भुगत रहे हैं। ऐसा ही एक प्राथमिक विद्यालय कानपुर रोड स्थित शांति नगर प्राथमिक विद्यालय, सरोजनी नगर है जिसका निर्माण भी सतीश द्विवेदी ने करवाया था। सन् 2009 में बने शांति नगर, सरोजनी नगर प्राथमिक विद्यालय को तालाब की भूमि पर बनवा दिया गया और बेसिक शिक्षा अधिकारी मुंह लगे सतीश का मुंह देखते रह गए। वर्तमान में शांति नगर, सरोजनी नगर प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज पूर्णिमा वर्मा ने सरकार और एनजीओ से गुहार लगाते हुए इस सरकारी स्कूल के सच से पर्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि सन् 2010 से इस भवन में शिक्षण कार्य शुरू हुआ लेकिन भवन की स्थिति और आसपास की व्यवस्थाओं के कारण बच्चों की कमी हमेशा बनी रही। हालांकि इंचार्ज पूर्णिमा वर्मा ने सन् 2021 में इस विद्यालय का कार्यभार संभाला लेकिन पूर्ववर्ती अध्यापकों की तरह चुप ना बैठ कर उन्होंने विद्यालय की स्थिति सुधारने का हर संभव प्रयास किया। उन्होंने ना केवल शौचालय निर्माण करवाया बल्कि विद्यालय के कक्षों से सटे गंदे पानी से बचने के लिए मास्कीटो नेट भी लगवाए परंतु पानी की व्यवस्था ना होने से शौचालय का उपयोग नहीं हो पा रहा है। आसपास गंदगी और गंदे पानी का जमावड़ा लगा रहता है लेकिन फिर भी लगभग 30 बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। विद्यालय में अकेली पढ़ा रही पूर्णिमा बताती है कि बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ के साथ साथ जलकल विभाग, नगर निगम आदि को तमाम पत्र लिखे लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ जबकि एनजीओ की मदद से शौचालय का निर्माण हो सका। उन्होंने बताया कि बेसिक शिक्षा अधिकारी लखनऊ लगातार दबाव बना रहे हैं कि यदि विद्यालय में बच्चों की संख्या नहीं बढ़ी तो विद्यालय को कही और समायोजित करवा दिया जाएगा।

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) शकी इलाहाबाद

पुनर स्थापना प्रा. पत्र सं. 20 सन् 2022

जगदीश प्रसाद सिंह

बनाम

शिव सूरत सिंह आदि

1.सुनीता देवी पत्नी स्व. शिव सूरत सिंह, **2. रेवती रमण सिंह , 3. सुशील कुमार सिंह , 4. अनिल सिंह, 5. विद्यारमण सिंह पुत्रगण** स्व. शिव सूरत सिंह **निवासीगण** ग्राम - चपरतला टप्पा चौरासी परगना खैरागढ़ तहसील मेजा प्रयागराज।

चूँकि ऊपर नमोकित ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 11 के 26 दिवस** को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

पेशी तारीख 26.11.2024

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

हेतु सदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय ए सी जे एम कक्ष संख्या 11 इलाहाबाद

प्रकीर्ण वाद संख्या 22 सन् 2022

रामरूप मिश्र ...(वादी)

बनाम

दीनानाथ पांडेय व अन्य

3. गिरीश कुमार श्रीवास्तव आयु लगभग 42 वर्ष पुत्र स्व. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, **4. शीला देवी** आयु लगभग 62 वर्ष पुत्री स्व. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, **5.नीलम** आयु लगभग 47 वर्ष पुत्री स्व. ओम प्रकाश श्रीवास्तव, **समस्त हाल मुकीम निवासीगण** 54/2ए बेलीरोड नया कटरा परगना व तहसील - सदर जनपद - प्रयागराज। ...(प्रतिवादीगण)

चूँकि ऊपर नमोकित उपरोक्त ने इस न्यायालय से यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु सदर्शित करने के लिए **2024 के 11 के 22 दिवस** को 2 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में असफल होने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा ।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय के मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया है।

पेशी तारीख 22.11.2024

न्यायाधीश

संक्षिप्त

अब भाजपा को हटाने के लिए सपा को नई क्रांति चलानी पड़ेगी : शिवपाल यादव

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को जय नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने से रोकने के प्रयास करने पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग क्रांतिकारियों का सम्मान नहीं कराना चाहते हैं। प्रदेश सरकार पुलिस के दम पर दमन चक्र चला रही। शिवपाल यादव ने कहा कि ''मेरी राष्ट्रीय अध्यक्ष से गुजारिश है कि वह जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति की तरह भारतीय जनता पार्टी को हटाने के लिए नई क्रांति चलाएं। राजधानी लखनऊ में जयप्रकाश नारायण की मूर्ति पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को माल्यार्पण करने से रोकना दमनकारी कदम है, जिसे कहीं से भी न्यायोचित नहीं कहा जा सकता है। आज जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर समाजवादियों को माल्यार्पण करना था, लेकिन भाजपा कि प्रदेश सरकार पुलिस की दम पर जो दमन चक्र चला रही है, वहां जेपी की मूर्ति पर माल्यार्पण हो जाता, देश के महान लोग जेपी से लेकर अन्य उन सभी का सम्मान हो जाता, सरकार महापुरुषों का सम्मान नहीं करने देना चाहती है क्या बिगड़ जाता, समाजवादी पार्टी के लोग तो केवल माल्यार्पण ही तो कर देते। बता दें कि लखनऊ में हुए हंगामे के बाद समाजवादी पार्टी के गढ़ इटावा में भी समाजवादी सड़कों पर उतर आए। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चचेरे भाई जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव की अगुवाई में करीब 200 से अधिक सपाईयों ने शहर के शास्त्री चौराहे पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

अब बीएसपी किसी से नहीं करेगी गठबंधन, हरियाणा चुनाव नतीजों पर मायावती का बड़ा फैसला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा–इनेलो गठबंधन को मिली असफलता के बाद मायावती ने ऐलान किया है कि अब बसपा अब किसी से भी गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने एक्स पर ताबड़तोड़ चार ट्वीट किए।मायावती ने कहा कि यूपी सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बीएसपी का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने किन्तु उनका वोट बीएसपी को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने के कारण अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा व उससे होने वाले मूवमेंट की हानि को बचाना जरूरी। इसी संदर्भ में हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम व इससे पहले पंजाब चुनाव के कड़वे अनुभव के मद्देनजर आज हरियाणा व पंजाब की समीक्षा बैठक में क्षेत्रीय पार्टियों से भी अब आगे गठबंधन नहीं करने का निर्णय, जबकि भाजपा,एनडीए व कांग्रेस,इण्डिया गठबंधन से दूरी पहले की तरह ही जारी रहेगी।उन्होंने कहा कि देश की एकमात्र प्रतिष्ठित अम्बेडकरवादी पार्टी बीएसपी व उसके आत्म–सम्मान व स्वाभिमान मूवमेंट के कारवां को हर प्रकार से कमजोर करने की चौतरफा जातिवादी कोशिशें लगातार जारी हैं, जिस क्रम में अपना उद्धार स्वयं करने योग्य व शासक वर्ग बनने की प्रक्रिया पहले की तरह ही जारी रखनी जरूरी।

माँ काली

लाल लाल चुनरी में,जड़े हीरे मोती लाल,
शेर पे सवार मैया, जग से निराली हैं ।

गले में है मुंड माल, हाथों में त्रिशूल–ढाल,
कालिका कराल काल,काली मतवाली हैं ।

कालदेहा काली माई, कण–कण में समाई,
जग को सँवार रहीं, मैया ज्योता वाली हैं।

भक्त झोलियाँ फैलाए,मैया की शरण आए,
बिगड़ी बनाने वाली, मैया मेरी काली हैं।।

माँ महागौरी

महागौरी मातारानी, आदि शक्ति माँ भवानी,
शिव जी की पटरानी, अभय दिलाती हैं।

गोरा रंग शंख जैसा, कुंद–पुष्प चंद्र जैसा,
श्वेत वस्त्र धारे मैया, गौरी कहलाती हैं ।

डमरू–त्रिशूल धारें, सारे भक्तों को तारें,
वरदान देतीं मैया, फूली न समाती हैं।

मैया की अमोघ शक्ति, मन में जगाए भक्ति,
भक्तों की पुकार सुन, दौड़ी चली आती हैं।।

माँ सिद्धिदात्री

सिद्धिदात्री नव दुर्गे, जै–जै मैया जै–जै अम्बे,
कनक सिंहासन बैठीं, अति मन भायी हैं ।

मैया के सजे हैं द्वार, भक्त करे जयकार।
सपने करें साकार, मैया फलदायी हैं ।

दुष्टों का दलन करें, पापियों का गर्व हरें,
महाघोर तप करें, बलदायी माई हैं।

तीनों लोकों में समायी,सर्व सिद्धिदायी माई,
महाबला– महातपा, कन्या रूप आई हैं।।

डा0 नीलिमा मिश्रा
प्रयागराज

सम्पादकीय.....

घाटी में महका लोकतंत्र

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में चुनाव के बाद आए एग्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन जब मंगलवार को चुनाव परिणाम सामने आए तो जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं ने स्पष्ट जनादेश दिया। चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को निर्णायक जीत मिली है। निश्चय ही पांच साल पुराने इस केंद्र शासित प्रदेश के लिये यह एक नई शुरुआत है। जम्मू–कश्मीर में दस साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने खंडित जनादेश देने के बजाय एक स्थिरता को चुना। उन्होंने राजनीतिक जोड़–तोड़ की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया, जैसा कि एग्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे। इस बीच उपराज्यपाल द्वारा नियुक्त होने वाले पांच विधायकों का सवाल भी उठा, जिनके पास मतदान का अधिकार होगा। बहरहाल, अब विजयी गठबंधन और केंद्र सरकार के लिये असली परीक्षा की शुरुआत हो रही है। इसमें सत्ता सौंपने के लिये बातचीत की प्रक्रिया भी शामिल होगी। जनादेश के बाद केंद्रशासित प्रदेश में विश्वास बहाली प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि उपराज्यपाल व निर्वाचित सरकार के बीच किसी तरह का टकराव पैदा न हो। भरोसा किया जाना चाहिए कि जनादेश का सम्मान किया जाएगा। हम उम्मीद करें कि अतीत की अप्रिय स्थितियों की छाया वर्तमान लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नजर नहीं आएगी। आशा की जानी चाहिए कि पूर्ववर्ती राज्य के दौरान हिंसा, क्षेत्रीय विभाजन, सांप्रदायिक तनाव व अलगाव की धारणाएं अतीत की बातें बन जाएं। वे नए जनादेश की आगे की यात्रा में बाधक नहीं बनेंगी। हालिया चुनाव के दौरान मतदाताओं के उत्साह व लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति ने सुखद अहसासों को पुष्ट किया है। अच्छी बात है कि क्षेत्र में लंबे समय बाद चुनाव बहिष्कार और चुनावी प्रक्रिया के प्रति अवमानना का साया हट गया है। चुनाव अभियान के दौरान मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आशा जगायी है कि घाटी में लोकतांत्रिक परंपराएं समृद्ध होंगी। भारतीय संघ के हिस्से के रूप में जम्मू–कश्मीर में स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा सशक्त हो, यह प्रयास केंद्र सरकार की तरफ से लगातार होना ही चाहिए। यह अच्छी बात है कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद अब स्थितियां सामान्य हुई हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी मतदाताओं ने उत्साह से मतदान में भाग लिया था। वैसा ही उत्साह इस विधानसभा चुनाव के दौरान भी देखा गया। यह अच्छा है कि जम्मू–कश्मीर में जिस त्रिशंकु विधानसभा के कयास लगाए जा रहे थे, वास्तविकता ठीक उसके विपरीत रही। जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं ने एक तरह से पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को सिरे से खारिज कर दिया। यहां तक कि पीडीपी सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती की बेटी भी चुनाव हार गई। भाजपा को जम्मू में जरूर बढ़त मिली मगर घाटी में वह खाता नहीं खोल सकी। जिसको लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस ने मिलकर पूर्ण बहुमत से अधिक सीटें जीत ली हैं। बहरहाल, नई सरकार बनाने के लिये मतदाताओं द्वारा दिए गए संदेश को संवेदनशील ढंग से समझने की जरूरत है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक तकरार से हटकर कोशिश कश्मीरी जनमानस के मन को पढ़ने की हो। ध्यान रखा जाए कि वहां के लोग वास्तव में क्या चाहते हैं। निश्चित रूप से जम्मू–कश्मीर के लोग शेष देश की तरह महंगाई व बेरोजगारी की समस्या से दो चार हैं। उनकी समस्याओं का तार्किक समाधान तलाशना चाहिए। इस सीमावर्ती क्षेत्र की संवेदनशीलता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्हें वे हक दिए जाने चाहिए जो उनके जीवन में सुधार लाने में सहायक बन सकें। निश्चित रूप से अनुभवी राजनीतिक पार्टियों नेशनल कान्फ्रेंस व कांग्रेस के गठबंधन के लिये लिये सत्ता की बागडोर संभालना कोई नई बात नहीं है। लेकिन उन्हें इस क्षेत्र की बदली हुई आवश्यकताओं को पहचानना होगा। निश्चित रूप से अब गलतियों की पुनरावृत्ति की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। केंद्र सरकार को स्वीकारना चाहिए कि इस केंद्र शासित प्रदेश में राज्य बहाली की मांग एक वैध जन आकांक्षा है। लेकिन इसे राजनीतिक बयानबाजी से परे रखना होगा। साथ ही सामाजिक एकजुटता और आर्थिक समृद्धि के लिये काम करना होगा। जिससे घाटी के लोग देश की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

जम्मू-कश्मीर में उम्मीदों की सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा का कुख्यात 'ऑपरेशन लोटस' फिर से सक्रिय करने के भी प्रयास होंगे। हालांकि नयी विधानसभा में जो दलीय स्थिति है, उसके चलते फिलहाल उसकी गुंजाइश नहीं है परन्तु भाजपा इस सरकार को गिराने के रास्ते तैयार करती ही रहेगी।

हिंसा और राज्य समर्थित दमन के 10 वर्षों के बाद जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस व नेशनल कांफ्रेंस की गठबन्धन वाली सरकार बनी है तो स्वाभाविकतरू लोगों के मन में उसे लेकर बड़ी उम्मीदें हैं। ये आशाएं केवल उस राज्य में रहने वालों को ही नहीं वरन देश–विदेश में रहने वाले हर उस व्यक्ति की हैं जो उस राज्य की स्थिति को लेकर दुखी हैं। 5 अगस्त, 2019 को भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू–कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छीन लिया था। वहां आतंकवाद के सफाये के नाम पर नागरिकों पर जुल्म ढाये गये। पिछले एक दशक तक प्रदेश प्रतिनिधित्व विहीन रहा। भाजपा का एक नुमाइंदा प्रशासक बनकर राज्य को हांकता रहा। इसे लेकर जो बड़े–बड़े दावे भाजपा और केन्द्र सरकार ने किये थे, वे कुछ भी पूरे नहीं हुए। उल्टे जम्मू–कश्मीर विकास की दौड़ में पिछड़ता चला गया। नयी सरकार से लोगों को उम्मीद है कि वह लोगों के जख्मों पर मरहम लगाये और सूबे को विकसित करे। हिंसा और नफरत को खत्म कर यहां कश्मीरियत की वह इबारत फिर से लिखे जाने की जरूरत है, जिसे पिछले बरसों में पूर्णतरू मिटाने की कोशिश की गयी। इस प्रांत में रहने वालों के प्रति भाजपा की घृणा जगजाहिर है। इसी नफरती भावना के चलते 370 समाप्त तो कर दी गयी लेकिन केन्द्र सरकार को उसके बाद यह नहीं पता चल सका कि अब क्या करना है। बताया गया था कि अनुच्छेद 370 ही सारी समस्याओं की जड़ है और इसके हटते ही कश्मीर में शांति और विकास की गंगा बहने लगेगी। वैसे साफ था कि केन्द्र सरकार की दिलचस्पी जम्मू–कश्मीर के लोगों में नहीं बल्कि यहां के व्यवसाय और यहां की जमीनों को हड़पने में है। आरोप लगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां के प्रमुख कारोबार अपने व्यवसायी मित्रों को सौंपना चाहते हैं। सम्भवतरू बाद में उन्हें और उनके दोस्तों को एहसास हुआ होगा कि इस प्रांत को सम्हालना वैसा आसान नहीं है. जैसा वे सोच रहे थे। हकीकत यह है कि धारा 370 के खत्म करने से यहां कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नागरिकों का जो नुकसान हुआ वह अपनी जगह पर है। जम्मू–कश्मीर की जो नयी सरकार बनने जा रही है, उसे कुछ बातों का ख्याल रखना होगा। पहली तो यह कि सरकार को गिराने की हरसम्भव कोशिश होगी क्योंकि यह भाजपा की नाक का सवाल है और ध्रुवीकरण का उपकरण भी। प्रचारित यह किया गया था कि अनुच्छेद 370 हटने से यहां के नागरिक खुश हैं और खुशहाली बहाल हुई है। सत्ता पाने के लिये जम्मू में 5 सीटें बढ़ाई भी गईं। फिर, एक अशांत सीमा से लगे होने के कारण केन्द्र के माध्यम से भाजपा द्वारा प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की भरपूर कोशिशें होंगी। जम्मू–कश्मीर के जो हालात हैं, ऐसे अवसर मिल सकते हैं। न हों तो बनाये जा सकते हैं। भाजपा का कुख्यात 'ऑपरेशन लोटस' फिर से सक्रिय करने के भी प्रयास होंगे। हालांकि नयी विधानसभा में जो दलीय स्थिति है, उसके चलते फिलहाल उसकी गुंजाइश नहीं है परन्तु भाजपा इस सरकार को गिराने के रास्ते तैयार करती ही रहेगी। दूसरे, वह यह भी ख्याल रखे कि इस सरकार को पाने के लिये यहां की गैर भाजपायी सियासती पार्टियों को अनेक तरह की तकलीफें उठानी पड़ी हैं। 370 का विलय करने के बाद पूरी घाटी में असंतोष था। लोगों का दमन करने के लिये सरकार ने कई क्रूर कार्रवाइयां कीं। इनमें अंधाधुंध गिरफ्तारियां, गोलीचालन आदि से लेकर लम्बे–लम्बे कर्फ्यू तथा इंटरनेटबंदी आदि शामिल है। ऐसे ही, प्रशासक बैठाकर जनप्रतिनिधियों को अप्रासंगिक बनाया गया। गठबन्धन वाली इस सरकार को बनाने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान रहा है। 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से निकली उनकी पहली भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर के श्रीनगर स्थित लाल चौक पर खत्म हुई थी। 30 जनवरी, 2023 को इस अवसर पर बर्फबारी के बीच राहुल के दिये भाषण ने यहां के लोगों तथा भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों– खासकर नेशनल कांफ्रेंस एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ा हौसला दिया था। स्थानीय कारणों से पीडीपी ने अलग चुनाव लड़ा था– बावजूद इसके कि वह राष्ट्रीय स्तर पर बने संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया का हिस्सा है। दोनों पार्टियों का इतिहास देखें तो वे कभी न कभी केन्द्र हो या राज्य में भाजपा के साथ सत्ता में भागीदारी निभा चुकी हैं। वैसे तो अनुच्छेद 370 हटाने के कारण कश्मीर में भाजपा के खिलाफ माहौल है जिसके चलते कोई भी पार्टी भाजपा के साथ मिलकर सरकार गिराने में मदद नहीं करेगी। तो भी राजनीति में कब क्या हो जाये कुछ भी नहीं कहा जा सकता। नयी सरकार को चाहिये कि अनुच्छेद 370 खत्म करने तथा राज्य का दर्जा वापस पाने के लिये केन्द्र पर दबाव डाले। हालांकि यह आसान नहीं है लेकिन लोगों की सबसे बड़ी अपेक्षा यही है। जम्मू के लोग भी 370 के विलोपन के खिलाफ रहे हैं परन्तु भाजपा विधायक मदद नहीं करेंगे जिन्हें जम्मू क्षेत्र में अच्छा जन समर्थन मिला है। अपने चुनाव प्रचार में राहुल ने इसका आश्वासन दिया था। नब्बे के दशक में घाटी से पलायन कर गये कश्मीरी पंडितों की वापसी भी एक मुद्दा है। नयी सरकार इस दिशा में गम्भीरतापूर्वक काम करे। इसके साथ ही वह राज्य के आर्थिक पुनरुत्थान की कोशिशें करे। पर्यटन के अलावा बागवानी, हस्तशिल्प, दस्तकारी आदि अनेक क्षेत्र हैं जो तबाह हो चुके हैं। इनका फिर से विकास हो ताकि लोगों को रोजगार मिले। चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस व एनसी ने जो वादे किये थे, वे जल्दी पूरे हों।

पूरब के ऑक्सफोर्ड में किताबों पर बुलडोजर

सर्वमित्रा सुरजन

हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में चुनावी गहमागहमी के बीच बहुत सी जरूरी खबरें हाशिए पर धकेली गईं, इन्हीं में से एक खबर आई मौजूदा प्रयागराज यानी अतीत के इलाहाबाद से। खबर यह कि अब बुलडोजर का जोर मकानों से बढ़ते हुए पुस्तकों पर भी असर दिखाने लगा है। बीते शनिवार नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने फुटपाथ पर पुरानी किताबें बेचकर आजीविका कमाने वाले एक गरीब दुकानदार के बक्से को बुलडोजर से रौंद डाला। दुकानदार लोहे के इसी बाक्स में पुरानी किताबें रखता था, पढ़ने–लिखने के शौकीन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुरानी किताबों को सस्ते दामों पर खरीदते थे। इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के बाहर के फुटपाथ पर कई दुकानदार पुरानी किताबों की दुकान लगाते हैं, और यह सिलसिला बरसों से चल रहा है। लेकिन अब नगर निगम को इसमें अवैध कब्जा नजर आया और उसने अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई। तमाम दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वो अपना सामान फुटपाथ से हटा लें, बहुतों ने हटा भी लिया, लेकिन एक गरीब दुकानदार किताबें नहीं समेट पाया, तो फिर बुलडोजर चलाकर उन किताबों के चिथड़े इस तरह उड़ाए गए, उन्हें इस तरह रौंदा गया कि समाज पढ़ाई–लिखाई से तौबा कर ले। शायद सत्ता की मंशा भी यही है। क्योंकि पढ़ी–लिखी जमात से उसे डर लगता है कि वह खुद तो सवाल करेगी ही, समाज को भी तर्क करने के गुर सिखाएगी। इस इलाहाबाद को अपने नाम के साथ जोड़ने वाले मशहूर शायर अकबर इलाहाबादी ने कभी लिखा था– हम ऐसी कुल किताबें काबिल–ए–जब्ती समझते हैं कि जिन को पढ़ के लड़के बाप को खब्ती समझते हैं लेकिन इन पंक्तियों को पढ़कर कोई ये समझने की भूल न करे कि अकबर इलाहाबादी पढ़ने–लिखने के खिलाफ थे, क्योंकि इन्हीं अकबर इलाहाबादी ने यह भी लिखा था कि– खींचो न कमानों को न तलवार निकालो। जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।। किताबों को जब्ती के काबिल समझने की बात करने वाले शायर ने नयी पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच विचारों के अंतर और असहमति को रेखांकित किया था। जब अकबर इलाहाबादी तोप का सामना करने के लिए अखबार निकालने का मशविरा देते हैं तो वे समाज को यह समझाते हैं कि सत्ता के किसी भी जुल्म का मुकाबला समाज की जागरुकता से ही किया जा सकता है। और समाज पढ़–लिख कर ही जागरुक हो सकता है। लेकिन आज के सत्ताधीश तो किताबों को जब्त करने के बाद अब उन्हें कुचलने पर आमादा हो गए हैं, यह बात डरावनी है। लायब्रेरी पर हमले, किताबों की प्रतियां जलाना, किसी किताब का विरोध कर उसे प्रतिबंधित करवाना ये सारे पैंतरे भी पहले भी असहमति से डरने वाले लोग आजमाते रहे हैं। 2004 में पुणे के प्रसिद्ध भंडारकर प्राच्यविद्या संस्था पर जनवरी 2004 में संभाजी ब्रिगेड के तकरीबन 100 कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की थी और यहां के इतिहासकारों के साथ मार–पीट भी की थी। संभाजी ब्रिगेड को नाराजगी थी कि अमेरिकन लेखक जेम्स लेन ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र पर लिखी किताब शिवाजी हिन्दू किंग इन इस्लामिक इंडियाश में उनके बारे में कुछ विवादास्पद बातें लिखी हैं और भंडारकर संस्थान के इतिहासकारों ने इसमें जेम्स लेन की मदद की है। अपनी नाराजगी जतलाने का यही तरीका उन्हें समझ आया कि मार–पीट और तोड़–फोड़ करो। इस मामले में 2017 में सभी 68 आरोपियों को निर्दोष भी करार दे दिया गया। इसके बाद भी ऐसी और घटनाएं हुईं। 2020 में सीएए विरोधी आंदोलन को कुचलने के फेर में दिल्ली पुलिस ने किस तरह जामिया मिलिया इस्लामिया विवि की लायब्रेरी में घुसकर पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लाठियां चलाई थीं, उसके वीडियो दुनिया ने देखे। इसी तरह पिछले साल अप्रैल में बिहार शरीफ में भड़के दंगों में उत्पाती भीड़ ने 110 साल पुराने अजीजिया मदरसे और लायब्रेरी को आग के हवाले कर दिया था। जिसमें इतिहास, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन पांडुलिपियों और धर्मग्रंथों से संबंधित 4500 से अधिक पुस्तकें जल गईं। पांच दिनों तक ऐतिहासिक महत्व की पुस्तकें और दस्तावेज जलते रहे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद जून 2024 में ही नालंदा विवि के नए परिसर का उद्घाटन किया तो अतीत के गौरव और पुनर्जागरण को लेकर बड़ी–बड़ी बातें कहीं। तब वह प्रसंग भी लोगों को याद दिलाया गया कि 1193 में नालंदा विवि को बख्तियार खिलजी ने आग के हवाले किया था और हफ्तों तक यहां किताबें जलती रही थीं। लेकिन तब बिहार शरीफ की ऐतिहासिक लायब्रेरी को जलाने की बात याद नहीं आई। अतीत की घटना को तो कोई बदल नहीं सकता, 12वीं सदी में न भारत संघीय गणराज्य था, न लोकतांत्रिक शासन था। लेकिन अभी तो हम दस सदी आगे आ चुके हैं, और समाज में असहमति को कुचलने या सत्ता का आतंक स्थापित करने के लिए हजार साल पुराने तौर–तरीके ही अपनाए जाएंगे तो फिर समाज को सोचना होगा कि विकसित भारत की बात करने वाले देश को आगे ले जा रहे हैं या पीछे धकेल रहे हैं। विकास का मतलब समय के चक्र का उल्टा घूमना तो कतई नहीं होता। फुटपाथ पर रखी किताबों को हटाने के कई तरीके हो सकते थे। अतिक्रमण दूसरे तरीकों से भी हटाया जा सकता था। लेकिन बार–बार बुलडोजर को सामने करने का मतलब यही है कि लोगों के दिमाग में किसी न किसी तरह डर बिठाया जा रहा है। लोकतंत्र से उनका भरोसा डिगाने की कोशिश हो रही है। पाठक जानते हैं कि इस प्रयागराज में एक विश्वविद्यालय अभी सांसें ले रहा है (कब तक लेगा, कहा नहीं जा सकता) , जिसे पूरब का ऑक्सफोर्ड माना जाता था। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी 23 सितंबर, 1887 को मात्र 5,240 रुपये के कर्ज से शुरु की गई थी। यह उत्तर प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी और भारत की चौथी सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी है। पश्चिमी जगत में जो सम्मान और रुतबा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का रहा है, कमोबेश वैसे ही इज्जत इलाहाबाद विवि को मिलती रही, क्योंकि यहां पठन–पाठन, शोध की गौरवशाली परंपरा कायम हुई। कई बड़े राजनेता, लेखक, विद्वान, बुद्धिजीवियों का संबंध इस विवि से रहा। धर्मवीर भारती के कालजयी उपन्यास गुनाहों का देवता में इस विवि का कई तरह से जिक्र आया। 2003 में तत्कालीन वाजपेयी सरकार के मंत्रिमंडल ने इसे केंद्रीय सार्वभौमिकता का दर्जा बहाल किया था फिर मनमोहन सिंह सरकार के दौर में 2005 में भारत की संसद ने इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया था। ये बातें दो दशक पुरानी हो गई हैं, तब शैक्षणिक संस्थानों और पढ़े–लिखे लोगों, खासकर नेताओं की इज्जत हुआ करती थी। फिर देश ने पुराने भारत को न्यू इंडिया में तब्दील होते देखा, जिसमें खादी के कैलेंडर पर गांधीजी की जगह नरेन्द्र मोदी की तस्वीर लगी, जिसमें गांधी को स्वच्छता अभियान के चश्मे तक कैद करने की कोशिश हुई और जिसमें हार्वर्ड विवि से पढ़े लोगों का मजाक बनाने का दुस्साहस दिखाया गया। कहा गया कि हम हार्ड वर्क वाले हैं, हार्वर्ड वाले नहीं। मानो हार्वर्ड विवि में दाखिला टहलते–फिरते मिल जाता है। अब तक पूरब के आक्सफोर्ड का मखौल बैल बुद्धि बोल कर नहीं उड़ाया गया है, यही कमी रह गई है। लेकिन किताबों पर जिस तरह बुलडोजर चलाया गया है, वो सीधे–सीधे प्रगतिशील सोच रखने वाले लोगों को चुनौती है कि तुम्हारी किताबों को ही नहीं, तुम्हारी चेतना को भी कुचलने का दम सत्ता रखती है। परसाई जी ने बाजारवाद के प्रसार पर तंज करते हुए लिखा था– बाजार बढ़ रहा है, इस सड़क पर किताबों की एक नयी दुकान खुली है और दवाओं की दो। ज्ञान और बीमारी का यही अनुपात है हमारे शहर में। आज के हालात परसाई जी देखते तो शायद लिखते कि ज्ञान की बीमारी को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए बुलडोजरी हिम्मत सरकार ने दिखाई है। एंटायर पॉलिटिकल साइंस और संन्यास वाले सत्ताधीशों का यह बेजोड़ संगम, संगमनगरी बरसों–बरस याद रखेगी। साधो, धर्म ध्वजा फहराए रखने के लिए कुंभ मेला ही काफी नहीं है, किताबों का अवरोध हटाना भी जरूरी था।

जम्मू–कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस–कांग्रेस की जीत के साथ बदलाव की जमीन तैयार

सुशील कुट्टी

भारतीय जनता पार्टी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव हार गयी। नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन ने जीत दर्ज की। नेशनल कॉन्फ्रेंसके अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला अगले मुख्यमंत्री होंगे। घाटी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस गठबंधन के लिए भारी मतदान किया था। जम्मू के हिंदुओं ने भाजपा को अपना चेहरा बचाने वाला एक मौका दिया, लेकिन उस हद तक नहीं, जिसकी भाजपा को उम्मीद थी। कांग्रेस जम्मू क्षेत्र में एनसी–कांग्रेस उम्मीदवारों की जीत अधिक संख्या में दर्ज कर सकती थी परन्तु इसमें उनसे चूक हो गयी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों के लिए 873 उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपना भाग्य आजमाया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने हार मान ली। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनसी–कांग्रेस गठबंधन की जीत के साथ जम्मू–कश्मीर में बहुत कुछ बदलने वाला है। एक तो यह कि भाजपा के पंख कट गये हैं। न उपराज्यपाल अब श्राजाश की तरह होंगे और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सम्राट की तरह। महत्वपूर्ण बात यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंसके पक्ष में किस्मत नहीं थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस–कांग्रेस की सीटें लोगों के जनादेश के दम पर भारी बहुमत से आगे निकल गयीं, जो ज्यादातर नेशनल कान्फ्रेंस के पक्ष में था। वास्तव में, कांग्रेस एनसी के पाले में लटकी रही। इतना ही नहीं, यहां तक कि इंजीनियर रशीद, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला को बारामुल्ला निर्वाचन क्षेत्र से हराया था, भी एनसी के शानदार प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं कर पाये। नेशनल कॉन्फ्रेंस की तुलना में पीडीपी को करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसा लग रहा था कि कश्मीर के मतदाता कश्मीर क्षेत्र से स्पष्ट विजेता चाहते थे, न कि विभाजित जनादेश, जिससे किसी भी क्षेत्रीय विजेता को अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण से उत्पन्न समस्याओं को हल करने का मौका न मिले। कश्मीरी मुसलमान भारत के बाकी हिस्सों के मुसलमानों से अलग नहीं हैं। वे भी केंद्र के प्रति बहुत आभारी नहीं हैं क्योंकि आतंकवादियों द्वारा मारे जाने और बच जाने के बाद भी आज उनका जीवन कम नारकीय नहीं हो गया है। उस समय भी नहीं जब पत्थरबाजी एक दैनिक घटना थी। स्वतंत्र उम्मीदवार, जिन पर भाजपा ने भरोसा किया था, भी हार गये। नेशनल कॉन्फ्रेंसध्कांग्रेस के उम्मीदवारों ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में पीडीपी उम्मीदवारों को हराया, लेकिन इसने अब्दुल्ला परिवार को महबूबा की ओर दोस्ताना हाथ बढ़ाने से नहीं रोका। जीत में उदारता! परिणाम लगभग ऐसे थे जैसे पीडीपी ने चुनाव ही नहीं लड़ा था। इल्तिजा मुफ्ती तो मुफ्ती परिवार के गढ़ बिजबेहरा में भी हार गयीं। यह कहा गया किये विधानसभा चुनाव 2014 के बाद से जम्मू और कश्मीर के पहले चुनाव थे। साथ ही, जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित किये जाने के बाद भी ये पहले चुनाव थे। खास बात यह है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला चुनाव था। एग्जिट पोल ने त्रिशंकु सदन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन यह पता चला कि जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं की धारणा बिल्कुल अलग थी। सुबह 8 बजे से ही वोटों की गिनती शुरू हो गयी थी और तभी से यह स्पष्ट था।हिंसा की कोई घटना नहीं हुई, मानो तथाकथित उग्रवादी भी यह देखने के लिए इंतजार कर रहे थे कि नतीजे किसके पक्ष में आते हैं। छह साल के अंतराल के बाद एक नयी सरकार चुनी जानी थी। 20 जून, 2018 को पीडीपी–भाजपा शासन का पतन हो गया था। इसके बाद अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। जम्मू–कश्मीर के लाखों लोग इन चुनावों का इंतजार कर रहे थे। चुनाव परिणाम से पता चला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों से जम्मू–कश्मीर के अधिसंख्य लोग प्रभावित नहीं हुए। जम्मू–कश्मीर को उसके श्राज्य–दर्जाश में वापस लाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की समय सीमा भी है। समय सीमा का पालन करना होगा। बहाने बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे। जम्मू–कश्मीर दो केंद्र शासित प्रदेशों– जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के रूप में बना हुआ है। ऐसी दबी हुई खबरें हैं कि लद्दाख को जम्मू–कश्मीर में वापस लौटने में कोई आपत्ति नहीं होगी। कांग्रेस–नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि सर्वोच्च न्यायालय की समय–सीमा का पालन किया जाये। इंडिया गठबंधन, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंसएक घटक है, भी इस पर विचार करेगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है, जिसकी अब आवश्यकता नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा कि उपराज्यपाल को पांच आरक्षित सीटों पर यादृच्छिक लोगों को नामित करने का कोई अधिकार नहीं है। एनसी–कांग्रेस गठबंधन ने इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की योजना बनाई है। पांच नामित सदस्यों के आने से विधानसभा की संख्या 95 हो जायेगी और बहुमत का आंकड़ा 48 हो जायेगा। विधानसभा चुनाव तीन चरणों में हुए थे। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को। अब सभी को राहत मिली कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गये। वास्तव में, यह केंद्र की उपलब्धि थी। सभी मतगणना केंद्रों पर तीन–स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के साथ मतगणना की गयी। कोई नहीं कह सकता कि कश्मीर में कब विस्फोट हो जाये। जम्मू–कश्मीर चुनाव में पाकिस्तान की भी दिलचस्पी है। आतंकवाद, उग्रवाद और सीमा पार से घुसपैठ सभी इस शमित्रवत पड़ोसीश की बदौलत हैं। सवाल यह है कि जम्मू–कश्मीर में नागरिक सरकार की वापसी से पाकिस्तान के साथ आधिकारिक या अन्यथा संबंधों पर क्या असर पड़ेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस दोनों ही चाहते हैं कि भारत–पाक वार्ता फिर से शुरू हो। मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कम से कम फिलहाल पाकिस्तान के साथ किसी भी तरह के संबंध रखने के खिलाफ है। केंद्र और जम्मू–कश्मीर सरकार के बीच टकराव होना तय है। राज्य के लोग और घाटी के लोग विरोध करेंगे। अलगाववादी अपनी मांगों और विरोध के अपने तरीके के साथ प्रतिशोधात्मक तरीके से फिर उभर सकते हैंअनुच्छेद 370 एनसी–कांग्रेस गठबंधन सरकार के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बेशक, जब तक इंडिया गठबंधन सत्ता में नहीं आता, तब तक कुछ नहीं किया जा सकता। अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को भारत में मोदी शासन के खिलाफ विद्रोह करने के लिए राजी करना होगा!

एक हीरो की इतनी ही औकात है..मनोज तिवारी पर भड़कीं रानी चटर्जी, बोलीं-मुझे फिल्मों से

> हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रानी चटर्जी ने मनोज तिवारी पर फिल्मों से निकलवाने के आरोप लगाए। रानी ने कहा- मुझे शुरू में लगता था कि मनोज तिवारी मेरे लिए काफी सपोर्टिव हैं लेकिन ऐसी कई फिल्में हुई जिसमें मीटिंग की फाइनल हो गया, बजट फाइनल हो गया और डेट्स फाइनल हो गई लेकिन फिर मुझे फिल्म से हटा दिया गया।

रानी चटर्जी और मनोज तिवारी ने साल 2004 में फिल्म 'ससुरा बड़ा पईसावाला' में साथ काम किया। ये फिल्म सुपरहिट रही थी। इसी के साथ मनोज तिवारी और रानी चटर्जी की जोड़ी भी हिट हो गई थी लेकिन अब रानी चटर्जी ने अब मनोज तिवारी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है और उन पर कई आरोप भी लगाए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रानी चटर्जी ने मनोज तिवारी पर फिल्मों से निकलवाने के आरोप लगाए। रानी ने कहा– मुझे शुरू में लगता था कि मनोज तिवारी मेरे लिए काफी सपोर्टिव हैं लेकिन ऐसी कई फिल्में हुई जिसमें मीटिंग की फाइनल हो गया, बजट फाइनल हो गया और डेट्स फाइनल हो गई लेकिन फिर मुझे फिल्म से हटा दिया गया। मुझे कई लोगों ने बोला कि मनोज तिवारी की वजह से ऐसा हुआ है लेकिन मैं सोचती कि नहीं यार ऐसा कैसे हो सकता है। वो इतने प्यार से मुझसे मिलते हैं। वह कभी बॉम्बे आते हैं तो घर पर भी आते हैं। इसके बाद रानी ने बताया–एक बार एक फिल्म बन रही थी विधाता, इसमें मैं, मनोज तिवारी, रवि किशन, नगमा और दिनेश लाल निहरुआ अहम रोल में थे। हम सभी फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड थे।सारी चीजें हुईं और अचानक मुझे पता चला कि मुझे फिल्म से हटाने की बात चल रही है तो मेरे लिए घबराहट उस समय ये हो रही थी कि इतनी बड़ी फिल्म से मुहूर्त में जाने के बाद मुझे हटा दिया जाएगा तो कितना इम्पैक्ट पड़ेगा मेरे ऊपर। बहुत प्रे किया मैंने कि ऐसा ना हो लेकिन फाइनली हटा दिया गया। अपनी बात जारी रखते हुए रानी ने कहा–शफिर मैंने मनोज जी को पहली बार कॉल किया और पूछा कि मनोज जी आपको मुझसे क्या प्रॉब्लम है।उन्होंने कहा कोई प्रॉब्लम नहीं है। मैंने कहा कि मुझे पता चला है कि आप विधाता से मुझे हटवाना चाहते हैं। इस पर मनोज ने कहा–रानी ये तो प्रोड्यूसर का फैसला होता है। मैं क्या कर सकता हूं। ऐसे क्यों बोल रही हो। तुम ऐसे कैसे बोल सकती हो। इस पर मैंने कहा–सुनिए मैं ये बहस करने के लिए फोन नहीं किया है कि आप मुझे उस फिल्म में रखिए। मुझे बस इतना कहना था कि यहां पर इंडस्ट्री में एक हीरो की इतनी ही औकात है कि वो मुझे सिर्फ एक फिल्म से हटवा सकता है और वो मेरे साथ कुछ नहीं कर सकता है.इससे ज्यादा कुछ नहीं।

एक युग का अंत हो गया, रतन टाटा के निधन पर भावुक हुए अमिताभ बच्चन

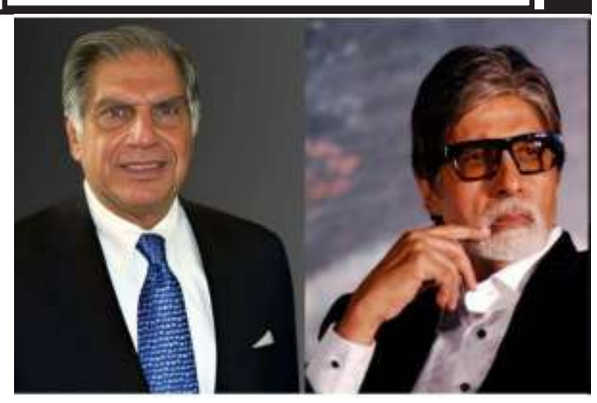

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने गुरुवार को रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि टाटा के निधन से एक युग का अंत हो गया। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अभी रतन टाटा के निधन के बारे में पता चला... मैं बहुत देर तक काम करता रहा। एक युग समाप्त हो गया है। एक अत्यंत सम्मानित, विनम्र लेकिन दूरदर्शी नेता, जिनकी दृष्टि और संकल्प अद्वितीय थे।रतन टाटा के साथ बिताए गए विशेष क्षणों को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा कि हमने उनके साथ कई शानदार पल बिताए, कई अभियानों के दौरान हम साथ–साथ शामिल रहे। मेरी प्रार्थनाएं (हाथ जोड़ने वाला इमोजी)। बता दें, अमिताभ के लिए रतन टाटा ने एक फिल्म ऐतबार प्रोड्यूस की थी, जो असफल रही और इसके बाद टाटा ने हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली थी। बता दें कि रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक प्रतिष्ठित चेहरा थे, जिन्होंने अपने नेतृत्व में टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। रतन टाटा ने बुधवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली, सोमवार को उन्हें कुछ आयु–संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रतन टाटा के निधन पर राजनीति से लेकर उद्योग जगत और फिल्म जगत के दिग्गजों ने शोक व्यक्त किया है। उनके परिवार, सहयोगियों और सभी उन लोगों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की जा रही हैं, जिन्होंने उन्हें निकटता से जाना और उनके साथ काम किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा के निधन पर दुख व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रतन टाटा को श्एक दूरदर्शी कारोबारी नेता, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान बताया था। रटन टाटा का पार्थिव शरीर एनसीपीए लॉन में रखा गया है, जहां लोग दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। शाम करीब 4 बजे रतन टाटा का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए नरीमन पॉइंट से वर्ली श्मशान प्रार्थना हॉल की ओर अंतिम यात्रा पर निकलेगा। परिवार ने बताया कि श्मशान घाट पर राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे पार्थिव शरीर को पुलिस की बंदूक की सलामी दी जाएगी और फिर अंतिम संस्कार संपन्न होगा।

दीपिका से लेकर कृति खरबंदा तक..इन 6 स्टार्स ने मानसिक स्वास्थ्य और सेहत को लेकर दर्शकों को प्रेरित करने में निभाई अहम भूमिका

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता देश में एक व्यापक रूप से चर्चित और संवेदनशील विषय है। भारतीय सिनेमा की कई प्रमुख हस्तियों ने मानसिक स्वास्थ्य के साथ अपने संघर्ष और अनुभवों के बारे में बहादुरी से बात की है, जागरूकता फैलाई है और कई लोगों को प्रेरित किया है। यहाँ छह नाम दिए गए हैं जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात की है।

1. दीपिका पादुकोणः दीपिका मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात करने वाली सबसे मुखर हस्तियों में से एक हैं। उन्होंने अवसाद के साथ अपने संघर्षों को साझा किया, जब वे अपने करियर के चरम पर थीं। हाल ही में कॉफी विद करण पर, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे रणवीर सिंह ने उनके मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों के दौरान एक सुरक्षित स्थान तैयार किया।

2. अनुष्का शर्माः अनुष्का ने कई बार अपने चिंता से जुड़े अनुभवों को साझा किया है, और लोगों को बिना किसी झिझक के इलाज करवाने की सलाह दी है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी बेटी वामिका ने उनके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद की है, जैसे कि जल्दी डिनर करना और जल्दी सोने की आदत डालना।

3. कृति खरबंदाः कृति ने महामारी के दौरान अपनी चिंता के साथ संघर्ष को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने एक सख्त दिनचर्या बनाए रखने और आत्म–देखभाल का अभ्यास करने के महत्व पर जोर दिया। हाल ही में उन्होंने एक पोस्ट साझा की जिसमें परिवार के साथ बिताए गए पलों का महत्व और डिजिटल डिटॉक्स के लाभों को रेखांकित किया।

4. सामंथा रुथ प्रभुः सामंथा ने अपनी मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है, खासकर जब उन्होंने अपने ऑटो–इम्यून रोग मायोसिटिस से संघर्ष किया। उन्होंने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया और कहा कि व्यक्तिगत जीवन में कठिनाई के समय मानसिक भलाई पर ध्यान देना जरूरी है।

5. करण जौहरः करण जौहर ने हाल ही में ट्विटर से दूर हटकर अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए फैसला किया और अपने शरीर से संबंधित असंतोष (बॉडी डिस्मॉर्फिया) के बारे में खुलासा किया। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे उन्होंने बड़े कपड़े पहनने और स्विमिंग पूल से दूर रहने का फैसला किया था, और पेशेवर मदद लेने का निर्णय लिया।

6. अनन्या पांडेः अनन्या पांडे ने अपने ष्सो पॉजिटिवष अभियान के जरिए सोशल मीडिया पर मानसिक स्वास्थ्य के नकारात्मक प्रभावों को उजागर किया है। उन्होंने खुद के इम्पोस्टर सिंड्रोम के बारे में बात की और हाल ही में अपनी फिल्म सीटीआरएल के प्रमोशन के बाद डिजिटल डिटॉक्स की योजना बनाई।

ये सितारे मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने और लोगों को प्रेरित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने अनुभवों को साझा करने के लिए काफी साहसिक कदम है।

नंगे पैर कैटवॉक! मुंह के बल गिरते-गिरते बचीं रैंप पर चल रही रुबीना दिलाइक, हील्स फेंक टशन से की वॉक

छोटी बहू यानि रुबीना दिलाइक अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों लाइफ को बखूबी बैलेंस कर रही हैं। रुबीना अपनी जुड़वा बेटियों जीवा और एधा का ध्यान रखने के साथ–साथ लगातार काम कर रही हैं। हाल ही में रुबीना रैंप पर उतरी। इस दौरान की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। रैंप पर कैटवॉक करते हुए रुबीना का पैर मुड़ गया और वो गिरते गिरते बचीं लेकिन रुबीना ने अपना कॉन्फिडेंस नहीं खोया। उन्होंने हील्स उतारकर नंगे पैर रैंप पर वॉक की। रुबीना के लुक की बात करें तो उन्होंने स्ट्रैपलेस ब्लाउज और लहंगा पहना हुआ था। इसी के साथ गोल्ड जूलरी कैरी की थी।पूरे लुक में वो बहुत खूबसूरत लग रही थीं। सोशल मीडिया पर रुबीना की तारीफ हो रही है। हाल ही में रुबीना ने बेटियों की मुंडन सेरेमनी रखी। इसके बाद वो फैमिली के साथ अमृतसर घूमने भी गईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटोज भी शेयर की। इसी के साथ उन्होंने अपनी बेटियों का फेस रिवील भी किया। बता दें कि रुबीना की शादी एक्टर अभिनव शुक्ला के साथ हुई है. दोनों दो बेटियों के पेरेंट्स हैं। रुबीना ने 7 नवंबर 2023 को जुड़वा बेटियां ईधा और जीवा को जन्म दिया था।

प्रेगनेंट श्रद्धा आर्या ने घर पर ही तैयार किया कुंडली भाग्य का सेट, बताया कैसे कर रही हैं शूटिंग

अभिनेत्री श्रद्धा आर्या जो अपनी पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, अपने घर से ही शो कुंडली भाग्य के लिए काम कर रही हैं। श्रद्धा ने कहा–कुंडली भाग्य परिवार ने वास्तव में मेरी जरूरतों को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया है कि मैं शो पर काम करना जारी रखते हुए सहज महसूस करूं।ष उनका कहना है कि टीम ने शूटिंग शेड्यूल को एडजस्ट किया है और घर से शूटिंग करने के उनके अनुरोध को स्वीकार किया है। श्रद्धा ने कहा–मातृत्व की तैयारी के लिए अपने स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अपना काम भी जारी रखना एक खूबसूरत अनुभव है जो मुझे पसंद है। श्रद्धा ने कहा कि पूरी कास्ट और क्रू उनके लिए एक परिवार की तरह है। उन्होंने कहा– हमने हाल ही में साथ में मेरी गोद भराई का जश्न मनाया, जो बहुत ही खुशी का पल था। उनके प्यार ने इस सफर को और भी खास बना दिया है, और मैं इस बंधन के लिए आभारी हूं जो सिर्फ काम से कहीं बढ़कर है। 15 सितंबर को श्रद्धा ने अपने पति राहुल नागल के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका प्रेग्नेंसी टेस्ट पॉजिटिव था और सोनोग्राफी की तस्वीर भी थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था– "हम एक छोटे से चमत्कार की उम्मीद कर रहे हैं"। श्रद्धा ने नवंबर 2021 में अपने करीबी लोगों की मौजूदगी में भारतीय नौसेना के अधिकारी राहुल नागल से शादी की।काम की बात करें तो श्रद्धा ने अपने करियर की शुरुआत जी टीवी के टैलेंट हंट शो इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज से की थी, जिसमें वह फर्स्ट रनर–अप बनी थीं। उन्होंने 2006 में तमिल फिल्म कलवानिन कधली से अभिनेता–निर्देशक एसजे सूर्या के साथ अभिनय की शुरुआत की। दिवा ने 2007 में राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित निशब्द से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, जिसमें अमिताभ बच्चन और जिया खान ने अभिनय किया। श्रद्धा ने सुदीप साहिर के साथ मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की शो में मुख्य भूमिका निभाई। वह तुम्हारी पाखी, ड्रीम गर्ल और कुंडली भाग्य जैसे टीवी शो का हिस्सा रही हैं।

घर पर ही इन तरीकों से बनाएं वीगन ब्यूटी प्रोडक्ट्स

स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स में इनवेस्ट करते हैं। लेकिन मार्केट में मिलने वाले ये प्रोडक्ट्स अक्सर ना तो पॉकेट फ्रेंडली होते हैं और ना ही स्किन फ्रेंडली। ऐसे में आप इन ब्यूटी प्रोडक्ट्स को घर पर ही बना सकते हैं। आज के समय में जब हर कोई वीगन की तरफ बढ़ने लगा है तो आप सिर्फ डाइट तक ही खुद को वीगन क्यों रखें। अगर आप चाहें तो अपने ब्यूटी रूटीन को भी वीगन बना सकती हैं और ऐसे में कई प्रोडक्ट्स को खुद घर पर ही तैयार कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही वीगन ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप खुद घर पर बना सकते हैं–

कोको और नारियल लिप बाम

कोकोआ बटर और नारियल का तेल आपके होठों पर एक प्रोटेक्टिव बैरियर बनाता है, नमी को सील करता है और उन्हें मुलायम बनाए रखता है। इस लिप बाम से सूखे और फटे होंठों को पोषण मिलता है।

आवश्यक सामग्री–

– 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल

– 1 बड़ा चम्मच कोकोआ बटर

– 1/2 चम्मच एगेव सिरप या मेपल सिरप

– 1 बूंद वेनिला एक्सट्रैक्ट (वैकल्पिक)

लिप बाम बनाने का तरीका–

– नारियल तेल और कोकोआ बटर को एक छोटे पैन या माइक्रोवेव में पिघलाएं।

– इसमें एगेव सिरप और वेनिला एक्सट्रैक्ट मिलाएं।

– मिश्रण को एक छोटे कंटेनर में डालें और जमने तक ठंडा होने दें।

– अपने होठों पर ज़रूरत के हिसाब से लगाएं।

नारियल और शिया बटर बॉडी लोशन

यह बॉडी लोशन रूखी स्किन को गहराई से हाइड्रेट करता है और पोषण देता है। नारियल तेल और शिया बटर बेहतरीन एमोलिएंट हैं, जो इस लोशन को शुष्क या फटी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने और रिपेयर करने के लिए एकदम सही बनाते हैं।

आवश्यक सामग्री–

– 1/4 कप नारियल तेल

– 1/4 कप शिया बटर

– 1 चम्मच विटामिन ई तेल (वैकल्पिक)

– एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें

बॉडी लोशन बनाने का तरीका–

– नारियल तेल और शिया बटर को एक साथ डबल बॉयलर या माइक्रोवेव में पिघलाएं।

– अब इसमें विटामिन ई तेल और एसेंशियल ऑयल मिलाएं।

– मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें, फिर इसे हाथ के मिक्सर से तब तक फेंटें जब तक यह फ्लफी न हो जाए।

– एक जार में स्टोर करें और ज़रूरत पड़ने पर इस्तेमाल करें।

क्यों झुक जाती है बुजुर्गो की पीठ? इस उम्र में होता है कूबड़ निकलने का ज्यादा डर

उम्र बढ़ने के साथ–साथ बुजुर्गों की तकलीफें भी बढ़ती जाती हैं। बुजुर्ग लोगों की पीठ में झुकाव या कूबड़ (हाइपरकायफोसिस) एक आम समस्या बन गई है। यह झुकाव रीढ़ की हड्डी के प्राकृतिक संरेखण में बदलाव और मांसपेशियों की कमजोरी के कारण होता है। आइए इस समस्या के कारण, इसके विकसित होने की उम्र, और इसके इलाज पर चर्चा करते हैं।

पीठ में झुकाव के मुख्य कारण

ऑस्टियोपोरोसिसः यह एक स्थिति है, जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उनमें घनत्व (डेंसिटी) कम हो जाता है। इससे रीढ़ की हड्डियों में फ्रैक्चर का खतरा बढ़ता है, और इसके परिणामस्वरूप पीठ में झुकाव आने लगता है।

पोस्टुरल समस्याएंः उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, और व्यक्ति सही मुद्रा (पोश्चर) को बनाए रखने में असमर्थ हो जाता है। खराब पोश्चर से रीढ़ की हड्डियों में दबाव बढ़ता है, जिससे धीरे–धीरे झुकाव आने लगता है।

मांसपेशियों की कमजोरीः उम्र के साथ शरीर की मांसपेशियां (विशेषकर कोर और पीठ की मांसपेशियां) कमजोर हो जाती हैं। यह मांसपेशियों की कमजोरी शरीर का संरेखण बिगाड़ देती है और पीठ झुकने लगती है।

डिस्क डीजनरेशनः रीढ़ की हड्डियों के बीच की डिस्क उम्र के साथ–साथ पतली और कम लचीली हो जाती हैं, जिससे रीढ़ की लचक कम होती है और झुकाव विकसित होता है।

कायफोसिसः यह रीढ़ की हड्डी के शीर्ष भाग (थोरैसिक स्पाइन) में अत्यधिक वक्रता है, जो झुके हुए या कूबड़ जैसी मुद्रा में बदल सकती है। यह कई कारणों से हो सकता है, जिनमें ऑस्टियोपोरोसिस, रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर या रीढ़ की डिस्क का डीजेनेरेशन शामिल है।

कब आती हे ये समस्या

पीठ में झुकाव आमतौर पर 60 वर्ष की उम्र के बाद विकसित होना शुरू होता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति ऑस्टियोपोरोसिस, कमजोर मांसपेशियों, या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है, तो यह समस्या पहले भी आ सकती है। महिलाओं में यह समस्या अधिक पाई जाती है, खासकर रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के बाद, क्योंकि हड्डियों की घनत्व तेजी से कम होती है।

बुजुर्गों की पीठ में झुकाव का इलाज

व्यायाम और फिजियोथेरेपीः नियमित रूप से रीढ़ की हड्डी के स्ट्रेचिंग और मजबूती वाले व्यायाम करने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूत किया जा सकता है और झुकाव को कम किया जा सकता है। फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह के अनुसार पीठ, कंधे और कोर मसल्स को मजबूत करने वाले व्यायाम किए जा सकते हैं। योग और ताई ची जैसे व्यायामों से शरीर की मुद्रा में सुधार होता है और संतुलन और लचीलापन बढ़ता है।

कैल्शियम और विटामिन डी सप्लीमेंट्सः हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम और विटामिन डी की पूर्ति जरूरी है। इनकी कमी से ऑस्टियोपोरोसिस की संभावना बढ़ जाती है, जिससे हड्डियां कमजोर होकर झुक सकती हैं।

पोस्चर सुधारनाः सही पोस्चर को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। पीठ सीधी रखना, लंबे समय तक एक ही मुद्रा में न बैठना, और रीढ़ की सही स्थिति बनाए रखने के लिए उचित चेयर या सपोर्ट का उपयोग करना आवश्यक है।

ऑर्थोपेडिक सपोर्टः रीढ़ की हड्डी को सही स्थिति में रखने के लिए सपोर्ट बेल्ट्स या ऑर्थोपेडिक ब्रेसेस का उपयोग किया जा सकता है। ये ब्रेसेस पीठ को सहारा देते हैं और कूबड़ को कम करने में मदद करते हैं।

मेडिकल ट्रीटमेंटः अगर समस्या अधिक गंभीर है, तो डॉक्टर बोन डेंसिटी को बढ़ाने वाली दवाइयों या इंजेक्शनों की सलाह दे सकते हैं। ये दवाइयाँ हड्डियों की कमजोरी को रोकने में मदद करती हैं।यदि रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो जाता है और यह झुकाव का कारण बनता है, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं।

रोकथाम

– नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि बनाए रखना और अपने मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत रखना पीठ के झुकाव से बचने में मदद कर सकता है।

– सही पोस्चर का अभ्यास करें और हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए पर्याप्त पोषण लें।

–बुजुर्गों की पीठ में झुकाव एक सामान्य समस्या है, लेकिन इसे नियमित व्यायाम, सही पोस्चर, और उचित पोषण के माध्यम से नियंत्रित और रोका जा सकता है।

पित्ते की पथरी का देसी इलाज, सर्जरी से पहले एक बार जरूर आजमाएं!

पथरियों की समस्या आपने आम ही सुनी होगी। किडनी की तरह पित्ताशय की थैली यानी पित्ते में पथरी बनना भी एक आम समस्या हो गई है लेकिन किडनी और पित्ते की पथरी दोनों में फर्क है।पित्ते की पथरी (पित्ताशय की थैली) का तब तक पता नहीं चलता जब तक व्यक्ति को गंभीर दर्द ना हो। पित्त की पथरी छोटी और कठोर होती हैं और यह तब बनती हैं जब पित्ताशय में कोलेस्ट्रॉल और बाइल साल्ट की मात्रा अधिक हो जाती है। इन पथरियों का आकार अनाज के दाने से लेकर टेनिस बॉल जितना बड़ा भी हो सकता है।

पित्त की थैली में पथरी होने के लक्षण

अगर पित्ते में पथरी है तो पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में अचानक और तेज दर्द होना, पेट के बीच में अक्सर दर्द होना, कंधे के पास पीठ में दर्द, दाहिने कंधे में दर्द, मतली या उलटी महसूस होना। ज्यादा भूख ना

लगना और हमेशा पेट में हैवीपन बना रहना। कब्ज रहना या बार–बार दस्त होना भी एक लक्षण हो सकता है।

पित्ते की पथरी (गॉल ब्लैडर स्टोन) क्यों होता है

पित्ताशय की थैली पाचन के लिए आवश्यक एंजाइमों को संग्रहीत करता है। जब पित्ताशय में तरल पदार्थ की मात्रा सूखने लगती है तो उसमें मौजूद चीनी–नमक और अन्य सूक्ष्म पोषक

तत्व एक साथ जमा हो जाते हैं तो वह पथरी के छोटे–छोटे टुकड़ों का रूप ले लेते हैं, जिन्हें पित्त पथरी कहते हैं। कभी–कभी पित्ताशय में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन और पित्त लवण जमा हो जाते हैं। 80 प्रतिशत पथरी कोलेस्ट्रॉल (पित्ताशय की पथरी) से बनी होती है। धीरे–धीरे ये सख्त हो जाते हैं और पित्ताशय के अंदर पथरी का रूप ले लेते हैं। कोलेस्ट्रॉल स्टोन पीले–हरे रंग के होते हैं। पित्ताशय में पथरी क्यों होती है किस उम्र में ज्यादा होती है इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं पता लेकिन कुछ ऐसे कारक हैं जो पित्त पथरी की संभावना को बढ़ा सकते हैं जैसे–

शुगर की समस्या

मोटापा

आहार में फाइबर की कमी

गर्भावस्था के दौरान

बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद

दवाइयों का अधिक सेवन

लंबी बीमारी के कारण

पित्ताशय की पथरी का घरेलू इलाज

बहुत सारे लोग जानना चाहते है की पित्त की पथरी का घरेलू इलाज क्या है। तो बता दें कि चुकंदर, खीरा और गाजर का रस, पित्त की पथरी को दूर करने में फायदेमंद होता है। पुदीना, पित्त की पथरी को दूर करने में बहुत फायदेमंद है। पुदीने की पत्तियों को उबाल कर भी पुदीने की चाय बनाएं और पीएं। चुकंदर, गाजर और खीरे का जूस ये तीनों ही पित्ताशय और लीवर को मजबूत बनाते हैं। तीनों को बराबर मात्रा में लेकर जूस तैयार कर लें। इसे दिन में दो बार पिएं।

एनसीबीआई पर छपे एक शोध के अनुसार, हल्दी को एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। हल्दी के सेवन से पित्त की घुलनशीलता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सब्जी के रूप में हल्दी का सेवन करें। हल्दी वाला दूध या हल्दी वाला पानी, हल्दी में शहद मिलाकर खाएं।

सिंहपर्णी की जड़

सिंहपर्णी एक ऐसा औषधीय पौधा है, जो पित्ताशय की पथरी का प्राकृतिक उपचार है। एनसीबीआई पर प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, सिंहपर्णी की पत्तियां, पित्त के उत्सर्जन और वसा के चयापचय में मदद करती हैं। इस जड़ी बूटी का सेवन करने से पित्ताशय की थैली को उत्तेजित करने में भी मदद मिल सकती है। इसके लिए आप सिंहपर्णी की हर्बल चाय बनाकर पी सकते हैं।

नींबू, लहसुन और जैतून का तेल

नींबू का रस, लिवर में कोलेस्ट्रॉल को बनने से रोकता है। इसके लिए 30 मिली. जैतून का तेल, नींबू का रस बराबर मात्रा में और थोड़ा सा लहसुन लेकर एक मिश्रण बना लें। यह उपाय काफी हद तक पथरी बनने

से रोकते है। आप नींबू का सेवन भी सुबह कर सकते हैं।

पुदीना की चाय

पुदीने का तेल इस रोग में कारगर सिद्ध होता है। इसमें मौजूद तत्व पित्त पथरी को आसानी से घुलने में मदद करते हैं। आप पुदीने की चाय या पुदीने के कैप्सूल ले सकते हैं। बस पुदीने की कुछ पत्तियों को एक कप पानी में उबालें और चाहें तो इसमें शहद मिला लें।

मूली का रस

पित्त पथरी के लिए मूली भी एक अच्छा घरेलू उपाय है। एनसीबीआई पर छपे एक अध्ययन के अनुसार, मूली कोलेस्ट्रॉल और पित्त पथरी के इलाज में मदद कर सकती है। बड़ी पित्ते की पथरी के लिए पूरे दिन में पांच से छह बड़े चम्मच जितना मूली का रस पिएं। छोटी पथरी के लिए दिन में एक या दो चम्मच ले सकते हैं। मूला आपके हाजमे को भी सही रखेगी।

चुकंदर का रस वरदान

फाइबर, कैरोटेनॉयड्स और फ्लेवोनोइड्स से भरपूर, चुकंदर का रस खून में कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। कोलेस्ट्रॉल नहीं होगा तो पित्ते में पथरी भी नहीं बनेगी। रोजाना एक कप चुकंदर का रस पिएं।

नारियल का तेल

3 बड़े चम्मच नारियल का तेल, 1ध्4 गिलास सेब का रस, आधा नींबू का रस, एक लहसुन–लौंग और एक अदरक के टुकड़े को मिक्स कर लें और इस मिश्रण को रोजाना लें।

सेब का जूस पीएं

सेब, हमारी सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। पित्ते की पथरी की समस्या दूर करने में भी यह फायदेमंद है। एक गिलास सेब के रस पीएं या फल के रूप में इसे खाएं।

क्रैनबेरी का जूस

रोजाना एक गिलास क्रैनबेरी जूस पीने से आपको पित्त की पथरी में आराम मिल सकता है। क्रैनबेरी जूस में मौजूद फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल पित्त पथरी बनने से रोकता है। इसी के साथ यह यूटीआई जैसी इंफेक्शन भी नहीं होने देता।

ग्रीन टी

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ग्रीन टी शरीर को ऊर्जा देते हैं और सूजन कम करते हैं। यह पित्ते में पथरी बनने से भी रोकती है। आपको दिन में कम से कम 2 कप ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

पित्त पथरी का इलाज क्या है?

अगर पथरी छोटी है तो यह अपने आप बाहर निकल सकती है। छोटी पथरी, पित्त नली के जरिए आंतों से होकर थैली से बाहर निकल सकती है। हालांकि यह पित्त नली में भी फंस सकती है, जिससे समस्या गंभीर हो सकती है। इसके लिए मेडिकल इलाज, दवाएं और सर्जरी उपलब्ध हैं। पित्ते की पथरी होने पर डाक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं।

नोटः किसी भी तरह की दवा या घरेलू इलाज करवाने से पहले ।डॉक्टर से परामर्श जरूर लें।

करवा चौथ से पहले चेहरे की झुर्रियां हटाएं, कैसे करें ग्रीन टी का इस्तेमाल

करवा चौथ पर सुहागिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं और परंपारिक परिधान पहनती हैं। करवा चौथ का त्योहार इस बार 20 अक्टूबर 2024 को मनाया जा रहा है। ऐसे में करवा चौथ आने में बस कुछ दिन रह गए। करवा चौथ से पहले आप भी अपने चेहरे की झुर्रियों को हटा सकते हैं। आप ग्रीन टी की मदद से चेहरे की झुर्रियों से निजात पा सकते हैं। ग्रीन टी का सेवन न सिर्फ आपके सेहत के लिए फायदेमंद है बल्कि ये त्वचा और बालों के लिए काफी लाभदायक है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते है। इसके साथ ही ग्रीन टी में विटामिन और मिनरल जैसे पोषक तत्व होते है। दरअसल, ग्रीन टी में पॉलीफेनोल्स होते हैं। ग्रीन टी आपको झुर्रियों से बचाने में भी मदद करती है। यह आपकी त्वचा को हेल्दी बनाए रखने का काम करती है। आइए जानते हैं झुर्रियों से छुटकारा पाने के लिए आप ग्रीन टी का इस्तेमाल किन तरीकों से करें।

ग्रीन टी और नारियल तेल

ग्रीन टी बनाकर इसे थोड़ी देर ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक बाउल में थोड़ा सा नारियल का तेल लें। इसमें 2 चम्मच ग्रीन टी मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर 5 से 6 मिनट के लिए लगाएं। इसे 20 मिनट के लिए त्वचा पर लगा रहने दे। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ग्रीन टी और एवोकैडो

आप अपनी त्वचा के लिए ग्रीन टी और एवोकैडो का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप एक बाउल में एवोकैडो को काटकर मैश कर लें। अब इसमें 2 से 3 चम्मच ग्रीन टी मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। अब इन चीजों से कुछ देर के लिए चेहरे और गर्दन की मसाज करें। इसे कुछ देर के लिए स्किन पर लगा रहने दें। इसे 20 से 30 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आप हफ्ते में 2 से 3 बार इस फेस पैक को इस्तेमाल कर सकते हैं।

ग्रीन टी और अंडा

सबसे पहले एक बाउल में एक अंडा तोड़ लें। इस अंडे में एक चम्मच ग्रीन टी की पत्तियां मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे त्वचा पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। आपको बता दें, हफ्ते में 2 से 3 बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह झुर्रियों को दूर करने में मदद करता है।

संक्षिप्त

सेबी ने प्रतिभूति सीधे निवेशकों के डीमैट खाते में डालने के नियम लागू होने की समयसीमा बढ़ाई

नयी दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों के डीमैट खातों में प्रतिभूतियों के सीधे भुगतान को अनिवार्य बनाने से जुड़े दिशानिर्देशों को लागू करने की समयसीमा 11 नवंबर तक बढ़ा दी। यह नियम मूल रूप से 14 अक्टूबर से प्रभावी होना था। सेबी ने पांच जून एक परिपत्र जारी किया था। इसके तहत परिचालन दक्षता में सुधार और जोखिम को कम करने के लिए समाशोधन निगम को प्रतिभूतियों को सीधे ग्राहक के डीमैट खाते में जमा करने को अनिवार्य किया गया था। फिलहाल समाशोधन निगम प्रतिभूतियों के भुगतान को 'ब्रोकर' के खाते में जमा करता है। उसके बाद 'ब्रोकर' इसे संबंधित निवेशक के डीमैट खातों में जमा करता है। इस संदर्भ में समाशोधन निगम को अंतिम परिचालन दिशानिर्देश पांच अगस्त तक जारी करना था। हालांकि, ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स फोरम (ब्रोकर्स आईएसएफ) में व्यापक परामर्श के कारण अगस्त के अंत में इसे जारी किया गया। बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र के अनुसार, सेबी ने समीक्षा बैठक और ब्रोकर मंच के प्रतिवेदन के बाद बाजार में बिना किसी समस्या के सुचारू बदलाव सुनिश्चित करने के लिए नियम लागू करने की तारीख 11 नवंबर तक बढ़ा दी।

रतन टाटा का सिंगापुर के आर्थिक बदलाव में बहुमूल्य योगदान रहा : प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग

सिंगापुर। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए देश के आर्थिक बदलाव में उनके बहुमूल्य योगदान को याद किया। वोंग ने उन्हें एक सच्चा मित्र बताते हुए कहा कि उनकी विरासत को देश हमेशा संजोकर रखा जाएगा। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंच पर वोंग ने बृहस्पतिवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी और कहा कि सिंगापुर से टाटा का पुराना नाता

था। उन्होंने लिखा, ''वह सिंगापुर के सच्चे मित्र थे और हम उनके योगदान और विरासत को संजोकर रखेंगे। वह हमारे देश के एक मजबूत समर्थक थे और उन्होंने हमारे आर्थिक बदलाव में बहुमूल्य योगदान दिया।'' टाटा समूह की 1960 के दशक के उत्तरार्ध से सिंगापुर में बड़ी उपस्थिति है। समूह के जेआरडी टाटा की सिंगापुर यात्रा से शुरू हुए इस सफर को रतन टाटा ने आगे बढ़ाया। इसके परिणामस्वरूप सिंगापुर में उसकी आज 15 से अधिक कंपनियां हैं। इनमें आईटी, शिपिंग, इंजीनियरिंग, ऊर्जा और वित्तीय सेवाएं शामिल हैं। समाचार पत्र 'स्ट्रेट्स टाइम्स' की खबर के अनुसार, सिंगापुर के आर्थिक विकास बोर्ड (ईडीबी) के चेयरमैन पीएनजी चियोंग बून ने भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। खबर में उनके हवाले से कहा गया, '' रतन टाटा ने सिंगापुर में टाटा समूह की कॉर्पोरेट उपस्थिति बढ़ाने और भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने कई सुविधाओं के साथ अपनी ऐप में किया सुधार

नयी दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने जियो फाइनेंस ऐप का नया व बेहतर संस्करण पेश करने की घोषणा की। यह ऐप ऋण, बचत खाते, यूपीआई बिल भुगतान, रिचार्ज और डिजिटल बीमा सहित कई सेवाएं प्रदान करता है। बयान के अनुसार, जियोफाइनेंस ऐप का बीटा संस्करण 30 मई 2024 को पेश किया गया था। 60 लाख से अधिक लोग जियो फाइनेंशियल

सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) के नए युग के डिजिटल मंच से जुड़े। ग्राहकों की प्रतिक्रिया से अब इसे बेहतर बनाया गया है। जेएफएसएल ने बयान में कहा, '' बीटा संस्करण पेश करने के बाद से वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को इससे जोड़ा गया, जिसमें म्यूचुअल फंड पर ऋण, गृह ऋण (बैलेंस ट्रांसफर सहित) और संपत्ति की एवज में ऋण शामिल हैं। ये ऋण प्रतिस्पर्धी शर्तों पर उपलब्ध हैं और हमारे ग्राहकों के लिए पर्याप्त बचत प्रदान करेंगे।'' बयान में कहा गया, नया ऐप अब गूगल प्ले स्टोर, एप्पल ऐप स्टोर और मायजियो पर उपलब्ध है। इसमें कई आकर्षक सेवाएं हैं। जेएफएसएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हितेश सेठिया ने कहा, '' हम भारत के लोगों के लिए एक विश्वसनीय वित्तीय साथी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही अपने व्यापक वित्तीय उत्पादों के साथ उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद कर रहे हैं।

पाकिस्तान की घर में हुई फीजहत, इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में 47 रनों से दी मात

बांग्लादेश और अब इंग्लैंड, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक बार फिर घर में करारी हार झेलनी पड़ी है। दरअसल, इंग्लैंड ने मुल्तान में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को पारी और 47 रनों से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीनों मैचों की टेस्ट सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है।

पाकिस्तान टीम की हार का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पहले बांग्लादेश और अब इंग्लैंड, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक बार फिर घर में करारी हार झेलनी पड़ी है। दरअसल, इंग्लैंड ने मुल्तान में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को पारी और 47 रनों से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीनों मैचों की टेस्ट सीरीज में 1–0 की बढ़त बना ली है। बता दें कि, पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 556 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने भी शानदार बल्लेबाजी की और सात विकेट पर 823 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही मेहमान टीम को 267 रनों की बढ़त मिली, लेकिन मेजबान टीम दूसरी पारी में 220 रनों पर ही ढेर हो गई। पाकिस्तान की हार चौथे दिन के बाद से ही तय नजर आ रही थी। चौथे दिन का अंत मेजबान टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 152 रनों के साथ किया था। सलमान आगा 41 और आमेर जमाल 27 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों ने कुछ देर तक लड़ाई लड़ी और मैच के पांचवें दिन शुक्रवार को टीम के खाते में 39 रन और जोड़े। 191 के कुल स्कोर पर जैक लीच ने सलमान की पारी का अंत कर दिया। पहली पारी में शतक जमाने वाले इस बल्लेबाज ने दूसरी पारी में 84

गेंदों पर सात चौकों की मदद से 63 रनों की पारी खेली। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे। जमाल एक तरफ तो टिके थे लेकिन उन्हें साथ नहीं मिल रहा था। इस बीच लीच ने शाहीन शाह अफरीदी को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पाकिस्तान को आठवां झटका दे दिया। लीच ने ही नसीम शाह को आउट कर पाकिस्तान का नौवां विकेट गिरा दिया और यहीं मेजबान टीम की पारी का अंत कर दिया क्योंकि 10वें नंबर के बल्लेबाज अबरार अहमद तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। आमेर 104 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 55 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत के खिलाफ सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के कप्तान ने दिखाए आक्रामक तेवर

भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी महीने टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसे लिए न्यूजीलैंड टीम को भारत दौरे पर आना है, और इस दौरे पर केन विलियमसन की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम को टीम की कमान सौंपी गई है।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत और न्यूजीलैंड के बीच इसी महीने टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसे लिए न्यूजीलैंड टीम को भारत दौरे पर आना है, और इस दौरे पर केन

विलियमसन की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज टॉम लैथम को टीम की कमान सौंपी गई है। लेकिन सीरीज से पहले कप्तान टॉम लैथम ने टीम इंडिया को चुनौती दे डाली है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। सीरीज से पहले टीम साउदी ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया और ऐसे में लैथम को कप्तानी सौंपी गई है। साउदी ने इस्तीफा श्रीलंका में मिली हार के बाद दिया है। कप्तान के तौर पर लैथम का पहला असाइनमेंट भारत दौरा है जो काफी मुश्किल माना जाता है। कप्तान बनने के बाद लैथम ने अपनी टीम के खिलाड़ियो से कहा है कि वह भारत के खिलाफ बिना डर के खेले। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम भारत को उसके घर में चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि, मेरे विचार में हमें अच्छा काम जारी रखना चाहिए। मैं अपनी टीम की स्पिन पर निर्भर करूंगा। भारत जाना अच्छी चुनौती है। एक बार हम वहां चले गए, उम्मीद है कि हम वहां पूरी स्वतंत्रता के साथ खेले सकेंगे। बिना डर के खेलेंगे और उन्हें हराने की पूरी कोशिश करेंगे। अगर हम ऐसा कर पाते हैं तो हम अपने आप को ही मौका देंगे। लैथम ने भारत में खेली गई टेस्ट सीरीजों पर नजर डाली है और यहां खेलने का तोड़ा निकाला है। उनका मानना है कि भारत में भारत के खिलाफ जीत हासिल करने का तरीका आक्रामक क्रिकेट ही है। उन्होंने कहा कि, हमने देखा है कि भारत में जिन टीमों ने पहले अच्छा खेल दिखाया है वह काफी आक्रामक रही हैं, खासकर बैट से। वह कुछ शॉट खेलते हैं जिससे टीम इंडिया दबाव में आ जाती है। हम फैसला करेंगे कि हमें वहां जाकर किस तरह से खेलना है। उम्मीद है ।

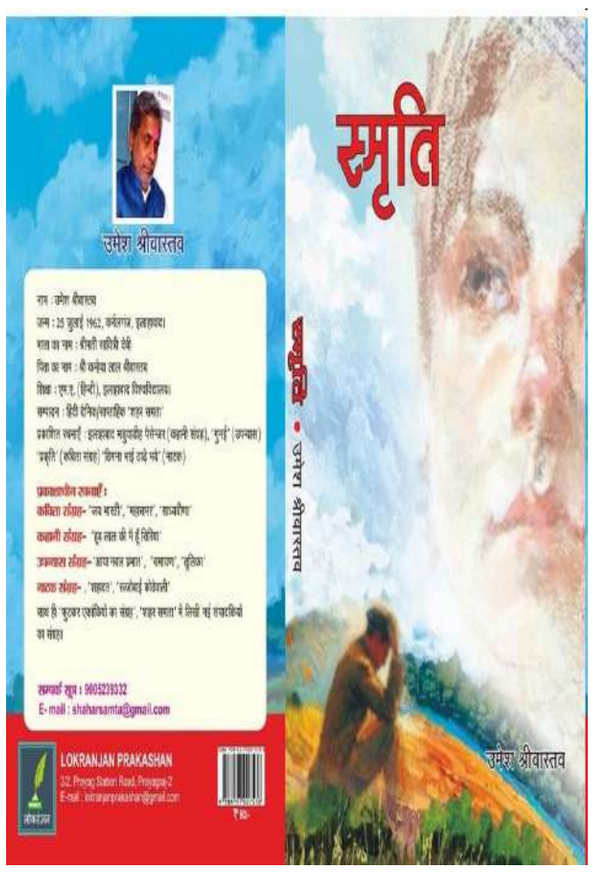

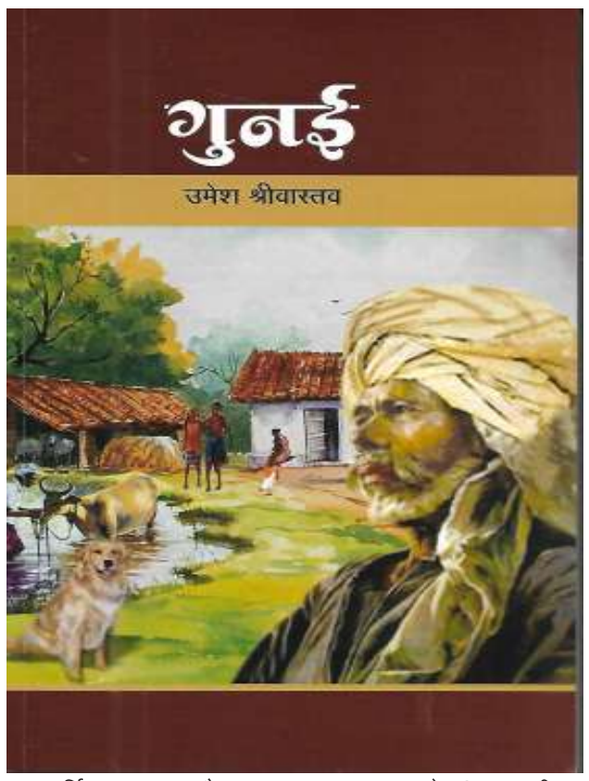

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

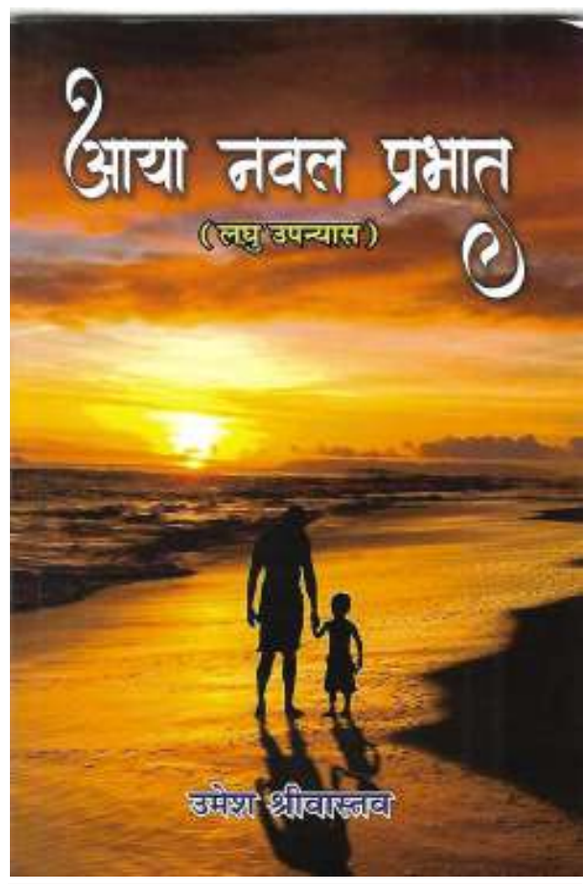

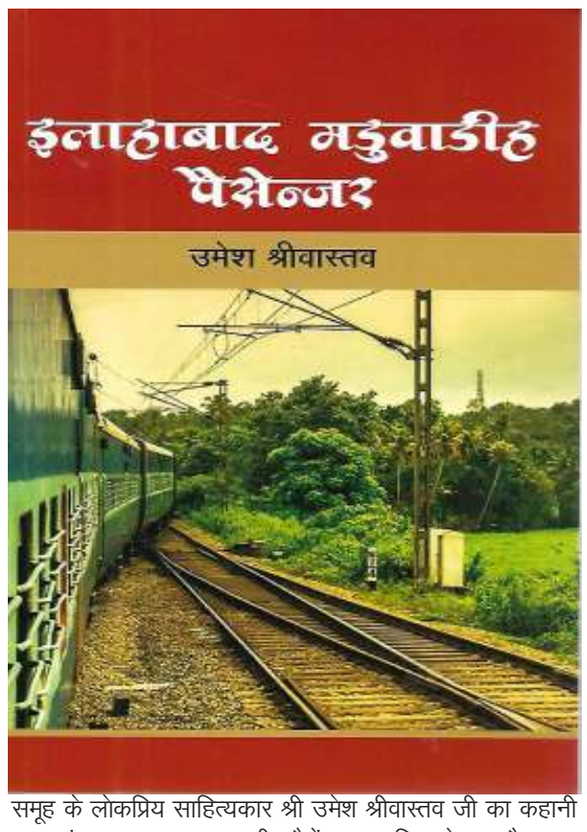

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

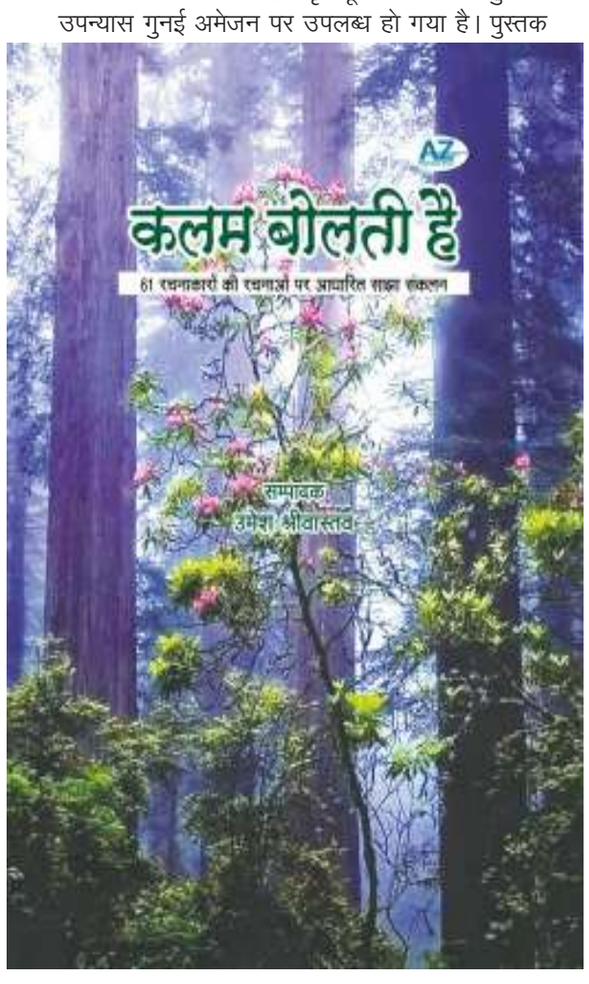

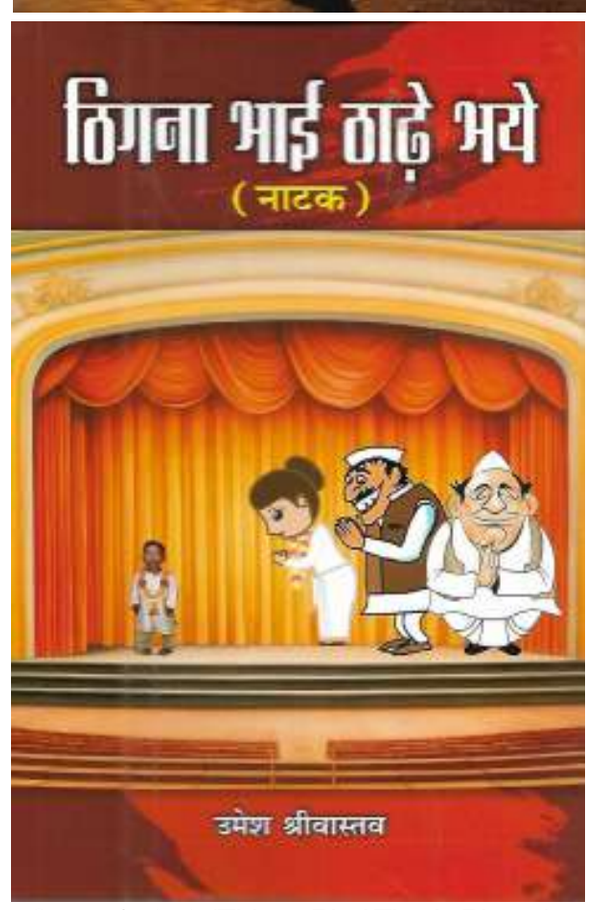

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान से आजादी की जंग, BLA ने 20 लोगों को खड़ा कर गोलियों से भूना

पाकिस्तान के सबसे अशांत क्षेत्र बलूचिस्तान में आजादी की मांग जोर पकड़ रही है। हर दिन बलूचिस्तान की धरती पर पाकिस्तानी सेना को विद्रोही गुटों से कड़ी टक्कर मिल रही है। बलूचिस्तान की इस लड़ाई का सबसे प्रमुख चेहरा बलूच लिबरेशन आर्मी है। हाल ही में हुए एक भीषण हमले में बंदूरधारियों ने 20 से ज्यादा खनिकों को मार डाला। इनमें कई अफगान नागरिक भी शामिल थे। दरअसल, अज्ञात बंदूकधारियों ने दक्षिण–पश्चिमी पाकिस्तान में एक छोटी निजी कोयला खदान में खनिकों को खड़ा किया और उन्हें गोली मार दी। अशांत क्षेत्र में बढ़ती हिंसा में कम से कम 20 लोग मारे गए

और सात घायल हो गए। अफगानिस्तान और ईरान की सीमा से लगे बलूचिस्तान के खनिज संपन्न प्रांत में सुबह–सुबह हुआ हमला पिछले कुछ हफ्तों में सबसे भीषण हमला है और यह देश में यूरेशियाई समूह शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने से कुछ दिन पहले हुआ है। यह तब भी आता है जब इस्लामाबाद सऊदी अरब के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी कर रहा है जो आर्थिक संकट से उबरने की कोशिश कर रहे दक्षिण एशियाई देश में खनन सौदों की खोज कर रहा है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) द्वारा जारी तीसरी तिमाही रिपोर्ट (क्यू3) के अनुसार, 2023 में 1,523 की तुलना में 2024 की पहली तीन तिमाहियों में मरने वालों की संख्या कम से कम 1,534 हो जाएगी। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से सटा बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसक विद्रोह का गढ़ रहा है। बलूच विद्रोही समूहों ने पहले भी सीपीईसी परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) इस्लामाबाद की संघीय सरकार पर स्थानीय लोगों की कीमत पर तेल एवं खनिज–समृद्ध बलूचिस्तान का अनुचित दोहन करने का आरोप लगाता रहा है, हालांकि प्रशासन इसे खारिज करता है। इस हफ्ते की शुरुआत में कराची में पाकिस्तान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे के पास चीनी श्रमिकों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए एक बलूच विद्रोही समूह के आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिक मारे गए और 17 लोग घायल हो गए।

दक्षिण–पश्चिम पाकिस्तान में बंदूकधारियों के हमले में 20 खनिकों की मौत, सात घायल

पाकिस्तान के दक्षिण–पश्चिम इलाके में बंदूकधारियों ने 20 खनिकों की हत्या कर दी और सात को घायल कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में यह ताजा हमला देश की राजधानी में आयोजित होने वाले एक प्रमुख सुरक्षा शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले किया गया है। पुलिस अधिकारी हमायूं खान नासिर ने बताया कि बंदूकधारियों ने बृहस्पतिवार देर रात डुकी जिले में कोयला खदान के निकट स्थित आवासों पर धावा बोल दिया। बंदूकधारियों ने आवासीय इलाके को चारों तरफ से घेर लिया और गोलीबारी शुरू कर दी। इनमें से ज्यादातर लोग बलूचिस्तान के पश्तून–भाषी इलाकों से थे। मृतकों में से तीन और घायलों में से चार लोग अफगान मूल के बताये जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

मध्य बेरूत में इजराइली हमलों में 18 लोगों की मौत, 92 अन्य घायल

हमलों वाली जगह पर पहुंचे समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक छायाकार ने बताया कि पहला हमला रास अल–नबा इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह विस्फोट आठ मंजिला इमारत के निचले हिस्से में हुआ। मध्य बेरूत के दो अलग–अलग इलाकों में बृहस्पतिवार शाम इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 92 अन्य घायल हो गए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि

इन हमलों से एक आवासीय इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तथा एक अन्य इमारत पूरी तरह ढह गई। लेबनान की राजधानी में हुए इन हवाई हमलों पर इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल ने लेबनान में ईरान समर्थित हिज्बुल्ला के खिलाफ अपने हमलों का दायरा बढ़ा दिया है और वहां जमीनी हमला शुरू कर दिया है। हमलों वाली जगह पर पहुंचे समाचार एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक छायाकार ने बताया कि पहला हमला रास अल–नबा इलाके में हुआ। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह विस्फोट आठ मंजिला इमारत के निचले हिस्से में हुआ। वहीं, दूसरा हमला बुर्ज अबी हैदर क्षेत्र में हुआ, जहां एक पूरी इमारत ढह गई और आग की लपटों में घिर गई। इससे पहले, फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर बृहस्पतिवार को इजराइली हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गयी।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में कांटे की टक्कर के बीच कमला हैरिस ने बना ली डोनाल्ड ट्रंप पर हल्की बढ़त

अमेरिका में अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे का मुकाबला देखने को मिल रहा है। सर्वेक्षणों में कभी ट्रंप कुछ अंकों से आगे हो जाते हैं तो कभी कमला हैरिस बढ़त बना लेती हैं। अब जो नया सर्वेक्षण सामने आया है वह दर्शा रहा है कि कमला हैरिस को बढ़त हासिल है। हम आपको बता दें कि कमला हैरिस को खासकर मध्यम वर्ग और उपनगरों के निवासियों के बीच काफी समर्थन मिल रहा है। हालांकि ट्रंप और कमला के बीच अंतर ज्यादा नजर नहीं आ रहा है इसलिए देखना होगा कि आने वाले सप्ताहों में दोनों का चुनाव प्रचार कैसे आगे बढ़ता है। हम आपको बता दें कि बाइडन ने जब राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हटने का ऐलान किया और कमला का नाम आगे किया तो उस समय कराये गये सर्वेक्षणों में ट्रंप को 43% और हैरिस को 40% लोगों का समर्थन हासिल था मगर समय बीतने के साथ यह अंतर कम होता गया। जब कमला हैरिस ने जुलाई में अपना चुनाव अभियान शुरू किया तो उन्होंने अंतर को कम करना शुरू कर दिया और अब वह ट्रंप से 3 प्रतिशत मतों से आगे चल रही हैं। रॉयटर्स/इप्सोस सर्वेक्षणों से पता चला है कि मतदाता चुनाव से पहले अर्थव्यवस्था को नंबर 1 मुद्दा मानते हैं और अक्टूबर में हुए एक सर्वेक्षण में 46% मतदाताओं ने कहा कि ट्रंप अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर उम्मीदवार थे। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर कमला हैरिस को 38% मत मिले। सर्वेक्षणों ने ट्रंप को आव्रजन और अपराध पर काबू पाने में अधिक भरोसेमंद उम्मीदवार के रूप में भी दिखाया है। हम आपको याद दिला दें कि ट्रंप ने अगस्त में अपने समर्थकों से कहा कि वह ऐसे उम्मीदवार हैं जो उपनगरों को सुरक्षित रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि अवैध रूप से सीमा पार आने वाले प्रवासियों को "उपनगरों से दूर" रखा जाए। इसके अलावा, ट्रंप ने महंगाई के लिए बाइडन प्रशासन को दोषी ठहराया है जिसने मध्यम वर्ग के अमेरिकियों को नुकसान पहुंचाया है। दूसरी ओर, कमला हैरिस ने अपने भाषणों में मध्यम वर्ग का आकार बढ़ाने के वादे पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। चुनावों में उन्हें लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए बेहतर उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। ताजा सर्वेक्षण के परिणाम दर्शाते हैं कि मध्यम आय वाले मतदाताओं के बीच कमला हैरिस का प्रभाव खासा देखा जा रहा है। हैरिस समर्थकों ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने से पहले उन्होंने उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, लेकिन जैसे–जैसे उन्हें कमला के बारे में अधिक पता चला, वे उनके और अधिक समर्थक हो गए। हम आपको बता दें कि 4–7 अक्टूबर को किए गए छह सर्वेक्षणों में पंजीकृत मतदाताओं के बीच कमला हैरिस को डोनाल्ड ट्रंप पर 3 प्रतिशत अंक की मामूली बढ़त दिखाई गई। कमला हैरिस को कुल मिलाकर 46% और ट्रंप को 43% मत मिले। हालांकि चुनाव जीतने के लिए युद्ध के सात मैदानों–एरिजोना, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलिना, नेवादा, विस्कॉन्सिन और जॉर्जिया में बढ़त हासिल करनी होगी। फिलहाल यहां दोनों उम्मीदवारों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखाई दे रही है। इसके अलावा एक बात और देखने को मिल रही है कि ट्रंप जहां अकेले ही अपना सारा चुनाव प्रचार कर रहे हैं वहीं कमला के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, उनकी पत्नी मिशेल ओबामा, पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन आदि भी जमकर प्रचार कर रहे हैं। इसके अलावा उद्योग, खेल, मनोरंजन जगत की जानीमानी हस्तियां भी कमला हैरिस के साथ खड़ी नजर आ रही हैं। समाज के अधिकांश तबके का समर्थन साथ दिखने के बावजूद कमला को मात्र तीन प्रतिशत की बढ़त मिलना यह भी दर्शा रहा है कि आम मतदाताओं की नजर में ट्रंप का महत्व अब भी बना हुआ है इसीलिए माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम किसी रोचक खेल स्पर्धा जैसे होंगे। हम आपको याद दिला दें कि ट्रंप का पहला मुकाबला जब हिलेरी क्लिंटन के साथ हुआ था तब भी अंत तक रोमांच बना हुआ था।

पाकिस्तान के इस इमाम ने ऐसा क्या कह दिया

भड़कते हुए इटली पीएम मेलोनी ने बोरिया–बिस्तर बांध दफा होने का दे दिया आदेश

पाकिस्तान से आकर इटली में रहने वाले एक इमाम ने अपने जहरीले बयानों से जॉर्जिया मेलोनी की सरकार को परेशान कर रखा था। फिर क्या था। इटली की पीएम ने कट्टरपंथी इमाम को देश से निकालने का फैसला दे दिया। इतना ही नहीं पाकिस्तानी इमाम का निवास परमिट भी हमेशा हमेशा के लिए रद्द कर दिया गया। दरअसल, पाकिस्तान का कट्टरपंथी मौलाना जिसकी जुबान से सिर्फ और सिर्फ जहरीली तकरीरें निकलती थी। जो कट्टरपंथी सोच का सबसे बड़ा ठेकेदार था। जो हमास जैसे आतंकी गुट को फ्रीडम फाइटर बताता है। जिसने इजरायल को हत्यारा और अमेरिका को आतंकी करार दिया। इटली में रहने वाले पाकिस्तानी इमाम को इटली की पीएम मेलोनी ने देश निकाला का आदेश दे दिया। इस इमाम का नाम जुल्फिकार खान है, जिसकी पैदाइश तो पाकिस्तान की है। लेकिन बीते कई सालों से वो इटली के बोलोग्ना शहर में रहता था। लेकिन हाल ही में इस कट्टर मौलाना पर मेलोनी सरकार का हंटर चल गया और देश से निकालने का फरमान जारी हो गया। इमाम जुल्फिकार खान आतंकी सगठन हमास का कट्टर समर्थक है। इस इमाम ने गाजा जंग को लेकर कई आपत्तिजनक वीडियो भी डाले। जुल्फिकार खान ने इजरायल और अमेरिका को हत्यारा करार दिया। इतना ही नहीं इस कट्टर मौलाना ने इटली सरकार के खिलाफ भी जहर उगला। 8 अक्टूबर को मेलोनी सरकार ने जुल्फिकार को देश से निकालने का आदेश दिया। इटली से निकालने के साथ ही जुल्फिकार का निवास परमिट भी रद्द किया गया। 54 साल का कट्टरपंथी इमाम जुल्फिकार खान पाकिस्तानी नागरिक है। जो साल 1995 में इटली पहुंचा था। पहले तो ये कट्टरपंथी इमाम इस्लाम की बातें करता था। लेकिन धीरे धीरे ये इटली सरकार के लिए नासूर बनता गया। वो मुसलमानों द्वारा सरकारी टैक्स का भुगतान करने का विरोध करने की वकालत करना था। दावा करता था कि देश के सारे संसाधन मुस्लिम समुदाय के भीतर ही रहने चाहिए। इसके अलावा उसने समलैंगिकता को एक बीमारी करार दिया और कहा कि इसे ठीक करने की आवश्यकता है।

10 देशों के साथ मोदी ने चीन को घेर लिया, ASEAN देशों के लिए बताया भारत का सुपर प्लान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत जो बयान दिया है उससे साफ है कि भारत अपनी प्राथमिकताओं को साफ करके चल रहा है। पूरी स्पष्टता के साथ भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत आसियान के 10 सदस्य देशों की तरफ देख रहा

है और कह रहा है कि हम आपके साथ खड़े हैं। भले ही वो छोटे से छोटा देश हो और भले ही उसकी अर्थव्यवस्था कैसी हो। भारत को उससे फायदा मिले या न मिले। लेकिन भारत एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत अपने तमाम मित्र देशों के साथ अपने तमाम पड़ोसी देशों के साथ मजबूती से खड़ा रहना चाहता है। यही वजह है कि भारत उन देशों की सुरक्षा करने को लेकर भी अपनी प्रतिबद्धता जताता है और उन देशों को मदद भी दे रहा है जिनको किसी तरह का खतरा है। आसियान देशों को कभी भी हथियार देने से भारत पीछे नहीं हटता है। आसियान के दस देशों में इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, थाइलैंड, सिंगापुर, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यामांर और कंबोडिया शामिल है। यही वजह है कि इनमें कई आयिसान देशों को लगातार चीन उनके क्षेत्र में घेरने की कोशिश कर रहा है तो भारत उन्हें हथियार देकर मजबूत कर रहा है। पीएम मोदी ने साफ कहा कि हम एक दूसरे के पड़ोसी हैं। ग्लोबल साउथ के साथी सदस्य हैं और विश्व में तेज गति से ग्रो करने वाला क्षेत्र हैं। हम शांति प्रिय देश हैं। एक दूसरे की अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। अपने युवाओं के उज्जवल भविष्य के प्रति हम कमिटेड हैं। मेरा मानना है कि 21वीं सदी एशियन सेंचुरी भारत और आसियान देशों की सेंचुरी है। भारत–आसियान मैत्री, समन्वय वार्ता और सहयोग ऐसे समय में बहुत महत्वपूर्ण है जब विश्व के कई हिस्से संघर्ष और तनाव का सामना कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान देश पड़ोसी हैं और वैश्विक दक्षिण में साझेदार हैं।

मां काली का मुकुट जो पीएम मोदी ने किया था भेंट, बांग्लादेश के प्रसिद्ध मंदिर से हुआ चोरी

बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ताबदर करने के बाद कट्टरपंथियों की मदद से मोहम्मद युनूस अंतरिम सरकार के मुखिया तो बन गए हैं। लेकिन बांग्लादेश में सत्ता हस्तांतरण की इस प्रक्रिया के दौरान हिंदुओं के साथ जमकर अत्याचार देखने को मिला। उनकी मकानों, दुकानों और पूजा स्थलों को निशाना बनाए जाने की कई सारी खबरें सामने आईं। जिसको लेकर भारत ने भी चिंता जताई। अब बांग्लादेश से नवरात्रि के पावन अवसर पर ऐसी खबर आई है कि जिसे सुनकर हिंदुओं को आघात लगेगा। पीएम मोदी ने बांग्लादेश को मां काली का जो मुकुट भेंट किया था, वो किसी ने चोरी कर लिया है। भारतीय दूतावास ने 2021 में बांग्लादेश के जेशोरेश्वरी काली मंदिर में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उपहार में दिए गए मुकुट की चोरी की रिपोर्ट पर गहरी चिंता जताई और बांग्लादेश सरकार पर मामले की जांच करने का दबाव डाला। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, देवी काली का मुकुट गुरुवार दोपहर 2रू00 बजे से 2रू30 बजे के बीच चोरी हो गया। द डेली स्टार के अनुसार, मंदिर के पुजारी दिलीप मुखर्जी के दिन की पूजा के बाद चले जाने के तुरंत बाद मुकुट चोरी हो गया और एक सफाई कर्मचारी ने पाया कि मूर्ति के सिर से मुकुट गायब है। हिंदू पौराणिक कथाओं में 51 शक्तिपीठों में से एक के रूप में प्रतिष्ठित मंदिर का हिस्सा होने के कारण, मुकुट का गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। मार्च 2021 में अपनी बांग्लादेश यात्रा के दौरान, पीएम मोदी ने सद्भावना के संकेत के रूप में जेशोरेश्वरी मंदिर में देवी काली को चांदी और सोने से चढ़ा हुआ मुकुट भेंट किया। यह यात्रा एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि यह बांग्लादेश की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती और इसके संस्थापक नेता शेख मुजीबुर

रहमान की जन्म शताब्दी के समारोह के साथ मेल खाती है। जेशोरेश्वरी काली मंदिर सतखिरा में स्थित है और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है, माना जाता है कि इसका निर्माण 12वीं शताब्दी के अंत में किया गया था। यह हिंदू पौराणिक कथाओं में विभिन्न किंवदंतियों से जुड़ा हुआ है, विशेष रूप से यह उन स्थलों में से एक है जहां कहा जाता है कि देवी सती के अंग गिरे थे।

कोलोराडो में सोने की खदान में फंसे एक व्यक्ति की मौत, 12 अन्य को बचाया गया

अमेरिका के कोलोराडो में प्रमुख पर्यटन स्थल के तौर पर इस्तेमाल की जा रही सोने की एक पूर्व खदान में लिफ्ट खराब होने के बाद घंटों जमीन के नीचे फंसे रहे 12 लोगों को बृहस्पतिवार रात सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में हालांकि एक व्यक्ति की मौत हो गयी। टेलर काउंटी के शेरिफ जेसन माइकसेल ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि क्रिपल क्रीक शहर के पास स्थित 'मोली कैथलीन गोल्ड माइन' में लिफ्ट नीचे की ओर जा रही थी, लेकिन सतह से लगभग 500 फुट (150 मीटर) नीचे इसमें यांत्रिक समस्या हो गई जिसके कारण लिफ्ट में मौजूद लोग फंस गए और उनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। माइकसेल ने बताया कि लिफ्ट में फंसे हुए 12 व्यस्क जमीन से लगभग 1,000 फुट (305 मीटर) नीचे थे। माइकसेल ने रात में पत्रकारों से कहा कि अधिकारियों को अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि लिफ्ट कैसे खराब हुई। इंजीनियरों ने फंसे हुए लोगों को वापस ऊपर लाने से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि लिफ्ट फिर से सुरक्षित रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है। माइकसेल ने मृतकों की पहचान बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने बताया कि लिफ्ट में मौजूद 11 लोगों को बचा लिया गया जिसमें से चार व्यक्तियों को मामूली चोटें आई हैं। यह खदान 1800 के दशक में खुली और 1961 में बंद हो गयी, लेकिन अब भी इसका पर्यटन के लिये इस्तेमाल होता है और पर्यटकों को खदान के अंदर घुमाये जाने की सुविधा है। इस दौरान पर्यटक खदान में 1000 फुट नीचे तक जा सकते हैं।

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में आत्मघाती हमले को किया नाकाम

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक आत्मघाती हमले को नाकाम कर दिया, हालांकि मुठभेड़ में फ्रंटियर कोर का एक जवान मारा गया और 13 अन्य घायल हो गए। सेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सहायक आयुक्त नवीद आलम ने बताया कि आतंकवादियों ने बुधवार को तीन मोर्चों से झोब के सबकजई क्षेत्र में संयुक्त प्रतिक्रिया केंद्र में घुसने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि एक आत्मघाती हमलावर ने भी इमारत में घुसने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षा बलों ने उसे मार गिराया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।